दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 गोरखपुर क्लबः परिसर के नए रेस्ट्रों में परोसी जा रही थी शराब

5 सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा के मामले में अभियोजन की स्वीकृति

8 'अगले तीन मैचों में बनाएंगे शतक'

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 47 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 17 जून, 2024

जी–7 शिखर सम्मेलन में दिखी भारत की ताकत

फिर चर्चा में पीएम मोदी और मेलोनी की सेल्फी

दिल्ली। 13–15 जून तक इटली के पुगलिया में जी–7 शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पीएम मोदी इटली गए थे। पीएम मोदी ने 14 जून को आउटरीच सत्र में भाग लिया, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्य सागर पर केंद्रित था। 13 से 15 जून तक इटली में जी–7 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। शुक्रवार को सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी ने एक सेल्फी क्लिक की। अपुलिया में जी–7 आउटरीच शिखर सम्मेलन के मौके पर मेलोनी ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ सेल्फी क्लिक की, तब दोनों नेता मुस्कुराते हुए देखे गए। पिछले साल दिसंबर में दोनों नेताओं ने दुबई में 28वें कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज (सीओपी 28) के मौके पर एक सेल्फी क्लिक की थी।

मेलोनी ने सेल्फी का वीडियो भी साझा किया

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सेल्फी का वीडियो भी साझा किया। पांच सेकंड का यह वीडियो शनिवार को मेलोनी ने अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया। इस वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी हंसते हुए दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो को फिर से शेयर किया और लिखा, 'भारत–इटली की दोस्ती अमर रहे!'

द्विपक्षीय रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर चर्चा

इस सम्मलेन के बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने इटली में जी–7 शिखर सम्मेलन के दौरान अपने इतालवी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर चर्चा की और रक्षा औद्योगिक सहयोग को और बढ़ाने की उम्मीद जताई। बयान में कहा गया कि इस साल के अंत में इतालवी विमानवाहक पोत आईटीएस कैवूर और प्रशिक्षण जहाज आईटीएस वेस्पुची भारत आएगा।

मेलोनी ने पीएम मोदी को उनके लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी

इसके अलावा, पीएम मोदी ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इतालवी अभियान में भारतीय सेना के योगदान को मान्यता देने के लिए इतालवी सरकार को धन्यवाद दिया। पीएम ने बताया कि भारत इटली के मोंटोन में यशवंत घाडगे स्मारक का उन्नयन करेगा। पीएम मोदी और उनके इतालवी समकक्ष ने नियमित उच्च राजनीतिक वार्ता पर संतोष व्यक्त किया और भारत – इटली रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की। मेलोनी ने प्रधानमंत्री मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में उनके लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई भी दी।

इस बार के जी–7 शिखर सम्मेलन में क्या हुआ?

13–15 जून तक इटली के पुगलिया में जी–7 शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पीएम मोदी इटली गए थे। पीएम मोदी 14 जून को आउटरीच सत्र में भाग लिया, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्य सागर पर केंद्रित था। इस सम्मेलन में मध्य पूर्व, गाजा और यूक्रेन में चल रहे संघर्षों पर चर्चा हुई। विश्वभर के नेता इन जटिल भू–राजनीतिक चुनौतियों से निपटने और समाधान के तरीकों पर बात की। इसके अलावा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एजेंडा के प्रमुख विषयों में शामिल किया गया है। जी–7 शिखर सम्मेलन में इटली ने भारत को अतिथि देश के तौर पर आमंत्रित किया था। दरअसल, यह पहली बार नहीं है जब भारत को जी–7 द्वारा आमंत्रित किया गया हो। 2019 से भारत को हर साल जी–7 में आमंत्रित किया जा रहा है। 2023 में जापान, 2022 में जर्मनी, 2021 में यूके और 2019 में फ्रांस ने भारत को आमंत्रित किया था। 2020 में अमेरिका ने भारत को आमंत्रित किया था लेकिन कोविड–19 के कारण सम्मेलन रद्द कर दिया गया था।

सम्पादकीय

महिलाओं की कम आय लचताजनक

भारत कई तरह की असमानताओं से जूझता हुआ देश है। इन गैरबराबरियों में आईथक भेदभाव के अलावा जातिगत असमानता तो है ही, लैंगिक भेदभाव बेहद विकराल रूप में है

भारत कई तरह की असमानताओं से जूझता हुआ देश है। इन गैरबराबरियों में आर्थिक भेदभाव के अलावा जातिगत असमानता तो है ही, लैंगिक भेदभाव बेहद विकराल रूप में है। कमोबेश सभी तरह की महिलाओं को किसी न किसी रूप में इसका सामना करना ही पड़ता है। शहरी हो या ग्रामीण, साक्षर हो या निरक्षर या अल्प शिक्षित, वह कथित ऊंची जाति की हो या फिर निचली जाति की– प्रत्येक महिला आजीवन उससे हर कदम पर दो–चार होती है।

माना जाता है कि आत्मनिर्भरता स्त्रियों को पुरुषों के समकक्ष ला सकती है लेकिन वहां भी उनकी राह इतनी आसान नहीं है। असमानता का दंश वहां भी मौजूद है। वर्ल्ड इकॉनामिक फोरम की बुधवार को जारी रिपोर्ट में बतलाया गया है कि भारत में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की आय 60 फीसदी कम है। यह अंतर इतना अधिक है कि इसके बल पर कोई भी सभ्य समाज अपने यहां लैंगिक बराबरी का दावा बिलकुल नहीं कर सकता। यह शर्मनाक भी है। सरकार को इस ओर ध्यान देकर वे सारे उपाय करने चाहिये जो पुरुष–महिला के बीच मेहनताने की इस खाई को मिटा सकें। वैसे यह रिपोर्ट देश में लैंगिक असमानता की स्थिति की पोल को खोलती है। 146 देशों की सूची में भारत 129 वें स्थान पर खड़ा है। पिछले वर्ष वह 125वें पायदान पर था। इसका सीधा सा अर्थ है कि यह देश महिलाओं को देवी मानने को लिये तो तैयार है लेकिन उसे मनुष्य के रूप में उसके वे अधिकार देने को तैयार नहीं है जिसकी शुरुआत हर प्रकार की समानता से होती है। इस रिपोर्ट ने भारत को उन देशों के समूह में रखा है जहां लैंगिक असमानता सर्वाधिक है। उसे 0.398 अंक मिले हैं जो बहुत खराब प्रदर्शन है। इसमें कहा गया है कि जिस काम के लिये पुरुष को 100 रुपये मिलते हैं, महिला को 52 ही मिलते हैं। उसका योगदान भी बामुश्किल 40 फीसदी ही है। इस क्षेत्र में भारत की स्थिति केवल पाकिस्तान, ईरान, सूडान एवं बांग्लादेश से ही बेहतर बताई गई है।

वैसे महिलाओं की आर्थिक बदहाली व पुरुषों के नीचे ही उसे बनाये रखने का प्रमुख कारण व आधार इस समाज की पुरुषवादी सोच ही है। पूरा ही पूरा सामाजिक ढांचा इन्हीं असमानताओं पर खड़ा है। सामंती एवं धार्मिक– इन दो तत्वों से बना भारतीय समाज उन तीनों ही तरह की गैरबराबरियों को बनाये रखने का हिमायती है जिसका उल्लेख ऊपर किया गया है। समाज को हांकने वाले धर्म व राजनीति में काम करने वाले जानते हैं कि महिलाओं के पुरुषों की बराबरी में आने का मतलब होगा इस शोषण आधारित व्यवस्था का चरमराकर ढह जाना। इसलिये वे यथास्थिति को बनाये रखते हैं। जितने भी तरह की धार्मिक व नीति कथाएं बतलाई जाती हैं उनमें औरतों को त्याग करने वाली, अल्प संतोषी, पुरुषों, खासकर पिता व पति की सेवा में अपना जीवन खपाने–मिटाने वाली महिलाओं को महिमा मंडित किया जाता है। उन्हें आत्मनिर्भरता के अलावा सारा कुछ सिखाया जाता है। घर में खानपान से लेकर शिक्षा–दीक्षा तक लड़कों व लड़कियों में भेदभाव होता देखकर वे बच्चियां बड़ी होकर इसी परम्परा को आगे बढ़ाती हैं। लड़कियों की पढ़ाई यह कहकर छुड़ा दी जाती है कि 'यह तो लड़की है', 'इतना पढ़कर क्या करेगी' या फिर, 'उसे कौन सी नौकरी करनी है'... आदि। लड़कियों को इस काबिल ही नहीं बनाया जाता कि वे नौकरी कर सकें।

संगठित क्षेत्रों में तो कानूनों के कारण वेतन, भत्तों व सुविधाओं में समानता देखी जा सकती है लेकिन वहां उनका प्रतिशत बहुत कम है। बड़ी कम्पनियों में लैंगिक अनुपात की स्थिति बेहद खराब है। आगे बढ़ने के अवसर भी उनके लिये पुरुषों के मुकाबिल कम ही होते हैं। महत्वपूर्ण पद एवं जिम्मेदारियां उन्हें नहीं मिलतीं। यहां तक कम्पनियों के बोर्ड में तक महिलाएं उद्योगपतियों के परिवारों की ही होंगी। शासकीय कम्पनियों में तक यही परिदृश्य है। असंगठित क्षेत्रों में हालत ज्यादा खराब है। पुरुषों की तुलना में उन्हें रोजगार तो कम मिलते ही हैं, वेतन–पारिश्रमिक में भी व्यापक असमानता है जिसका समग्र असर न सिर्फ उनके जीवन स्तर पर पड़ता है बल्कि उसकी अन्य असमानताओं के खिलाफ की जाने वाली लड़ाइयां भी कमजोर पड़ जाती हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि महिलाओं के साथ होने वाला यह भेदभाव केवल भारत में नहीं बल्कि दुनिया भर में है। अलबत्ता अच्छी शिक्षा एवं नागरिक अधिकारों के प्रति सजग जिन देशों ने अपने लिये काफी हद तक समतामूलक समाज बनाया है, वहां महिलाओं की राह अपेक्षाकृत आसान हो चली है, पर तीसरी दुनिया कहे जाने वाले ज्यादातर एशियाई, अफ्रीकी तथा लैटिन अमेरिकी देशों में महिलाएं बहुत पीछे चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, असमानता की यह डगर इतनी लम्बी है कि उसे पार करने में यूरोप को 67, उत्तर अमेरिकी को 95 तथा लातिनी अमेरिका व कैरेबियाई देशों को 53 साल लगेंगे। भयावह स्थिति तो दक्षिण एशियाई देशों की है जिनमें भारत का भी शुमार है। इनमें लैंगिक असमानता को पाटने में 149 वर्ष लग जायेंगे। सर्वाधिक खराब स्थिति पूर्वी एशिया के देशों में है जिनके लिये यह अवधि 189 साल आंकी गई है। रिपोर्ट बतलाती है कि ज्यादातर देशों में लोकतंत्र की स्थापना और वैज्ञानिक–तकनीकी तरक्की के बाद भी पूरी दुनिया के लिये लैंगिक असमानता चिंता का प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। संविधान में तो सभी को एक से अधिक अधिकार दिये गये हैं लेकिन पितृसत्तात्मक सोच के कारण औरतें वह सब हासिल नहीं कर पा रही हैं जिनकी वे मनुष्य होने के नाते हकदार हैं। विकास की मलाई का प्रमुख हिस्सा अब भी पुरुष पाते हैं।

लोकसभा चुनाव– 2024 के नतीजे क्या बताते हैं

देश में भाजपा के पिछले दस वर्षों के शासन ने उनके सामाजिक तनाव को और बढ़ा दिया है। भारतीय समाज के सभी वर्गों को संविधान में दिए गए विशेषाधिकारों को छोड़कर विशेष सुविधाओं के आनंद के लिए आश्वासन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को किसी भी आधार पर आर्थिक, सामाजिक या राजनीतिक भेदभाव से मुक्ति का आश्वासन दिया जाना चाहिए। लोकसभा के सात चरणों में हुए चुनावों के आखिरी दिन, 1 जून की शाम को मतदान समाप्त होने पर दृश्य और प्रिंट मीडिया कथित एग्जिट पोल से अटा पड़ा था जिसमें भाजपा को अपने बल पर भारी जीत मिलने और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के अपने सहयोगियों के साथ कम से कम 350 सीटें मिलने का दावा किया गया था। हर कोई इससे सहमत नहीं था लेकिन मीडिया के एक पूर्वाग्रही वर्ग ने संदेह जताने वालों का उपहास उड़ाया। इन एकतरफा मीडिया मुगलों ने प्रतिद्वंद्वी इंडिया गठबंधन का मजाक उड़ाया और उन लोगों का मजाक उड़ाया जिन्होंने कहा कि चुनाव बदल रहा है और सत्तारूढ़ गठबंधन उलटफेर का सामना कर रहा है। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने एक साक्षात्कार में अपनी स्व–घोषित अचूकता पर सवाल उठाए थे जिसमें उन्होंने भाजपा के लिए 300 से अधिक सीटों की भविष्यवाणी की थी। एग्जिट पोल के साथ स्पष्ट छेड़छाड़ वास्तव में एक अभियान की परिणति थी, जिसकी शुरुआत एक प्रमुख मीडिया हाउस के वरिष्ठ समाचार एंकर ने अपने फेसबुक पेज पर प्रकाशित किया था, 'अब की बार 400 के पार'। हालांकि, परिणाम बताते हैं कि वास्तव में नकली कौन हैं।

अब जैसा कि हम जानते हैं कि 2024 में भारतीय जनता पार्टी को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आने के बाद से सबसे बुरी हार का सामना करना पड़ा है; और पूर्ण बहुमत से बहुत कम सीटें मिलीं, जिससे पार्टी मुख्य रूप से दो सहयोगियों पर निर्भर हो गई, जिन्हें इसके अपने नेतृत्व ने अतीत में बार–बार अस्थिर और अविश्वसनीय करार दिया है। उनमें से एक को भाजपा शासन में जेल जाना पड़ा था। दूसरी ओर इन परिणामों का जश्न 'उदारवादियों' ने मनाया है, जिन्होंने इसे बहुसंख्यकवाद की ओर झुकाव के उलट और संवैधानिक शासन को बचाने के रूप में देखा है, जो इस बार एक मुद्दा बन गया– यह देखते हुए कि कुछ भाजपा उम्मीदवारों ने कथित तौर पर घोषणा की थी कि संविधान में संशोधन किया जाएगा। संवैधानिक परिवर्तन का डर भाजपा के इनकार की परवाह किए बिना पिछड़े समुदायों के बीच भाजपा के समर्थन आधार को खत्म कर रहा है।

इसने युद्ध की रेखाएं खींच दीं, जिसका शायद कभी इरादा नहीं था, लेकिन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के नेताओं के गैरजिम्मेदाराना बयानों ने अपने लाखों साथी नागरिकों की नागरिकता के कानूनी आधार के बारे में केवल उनके धार्मिक संप्रदाय के आधार पर बयानबाजी की। इसने निश्चित रूप से भारत भर के मुस्लिम समुदाय को इंडिया गठबंधन के पीछे लामबंद कर दिया। केंद्र शासित प्रदेशों लद्दाख और जम्मू–कश्मीर में, जो मुस्लिम बहुल हैं, ये युद्ध रेखाएं नाटकीय रूप से स्पष्ट हैं परन्तु देश के अन्य हिस्सों में एक विवेकशील पर्यवेक्षक के लिए स्पष्ट हैं। लोकतांत्रिक विकल्प की जीत में अतीत में चुनाव बहिष्कार के लिए कुख्यात कश्मीरी बड़ी संख्या में स्थानीय राष्ट्रवादी नेशनल कॉन्फ्रेंस के पीछे लामबंद हो गए और यहां तक कि आजादी के एक समर्थक इंजीनियर रशीद यूएपीए के तहत जेल में बंद हैं।

देश में भाजपा के पिछले दस वर्षों के शासन ने उनके सामाजिक तनाव को और बढ़ा दिया है। भारतीय समाज के सभी वर्गों को संविधान में दिए गए विशेषाधिकारों को छोड़कर विशेष सुविधाओं के आनंद के लिए आश्वासन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को किसी भी आधार पर आर्थिक, सामाजिक या राजनीतिक भेदभाव से मुक्ति का आश्वासन दिया जाना चाहिए। अन्यथा भारतीय समाज में दरार आ जाएगी जो देश की स्थायी एकता के लिए अच्छा संकेत नहीं है। यह आने वाली सरकार के लिए एक चुनौती है। इस सरकार के कम से कम दो प्रमुख घटक– जेडी(यू) और टीडीपी पहले ही इस मुद्दे पर अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा कर चुके हैं। क्या एनडीए इस मुद्दे पर जवाब खोजेगा या इस मुद्दे पर झुक जाएगा क्योंकि इस मामले पर विरोधाभासी भावनाएं प्रबल हैं?

संविधान बदलने का मुद्दा भाजपा पर पड़ा भारी

2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीटों पर सिमट गई। हालांकि एनडीए को मिली 293 सीटों पर जीत के साथ नरेंद्र मोदी सरकार बनाने में कामयाब रहे

संविधान बचाने का मुद्दा इतना असरदार था कि दलित समाज की दो बड़ी जातियां–कोरी और धोबी को इंडिया गठबंधन द्वारा एक भी टिकट नहीं दिए जाने के बावजूद बड़े पैमाने पर इन जातियों ने सपा और कांग्रेस को वोट दिया। यही कारण है कि यूपी में 75 सीटें जीतने का सपना देखने वाली भाजपा केवल 33 सीटों पर सिमट गई। 70 फ़ीसदी से अधिक दलित वोट भाजपा के विरोध में गया। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीटों पर सिमट गई। हालांकि एनडीए को मिली 293 सीटों पर जीत के साथ नरेंद्र मोदी सरकार बनाने में कामयाब रहे। ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मोदी के अहंकार की हार है। इससे मोदी का गुरुर टूटा है। लेकिन भारत जैसे सामंती समाज में क्या अहंकार को इतना निकृष्ट माना जा सकता है? भाजपा के पास पूंजी, प्रबंध और प्रचार तंत्र की व्यापक मौजूदगी के बावजूद नरेन्द्र मोदी की हार का असली कारण क्या है? यह भी सच है कि राम मंदिर राजनीतिक मुद्दा नहीं बनने के बावजूद जनवरी–फरवरी में विपक्ष बहुत उत्साहित नहीं था। विपक्ष ना तो एकजुट था और ना ही उसके पास संसाधन थे। कांग्रेस का बैंक खाता सील कर दिया गया था। चुनाव के पहले से लेकर चुनाव के दरमियान भी विपक्षी नेताओं पर ईडी और इनकम टैक्स की छापेमारी होती रही। अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन जैसे दो मुख्यमंत्री जेल भेज दिए गए। सैकड़ों विपक्षी नेताओं को ईडी के डर और प्रलोभन के जरिए भाजपा में शामिल कराया जाता रहा। यानि विपक्ष को निहत्था बनाकर नरेंद्र मोदी 400 सीटें जीतने के इरादे से चुनावी मैदान में दाखिल हुए। इसी उत्साह या अहंकार में नरेंद्र मोदी ने अबकी बार 400 पार का नारा दिया। 400 सीटें क्यों जीतना है? इस पर भाजपा के अनेक नेताओं और प्रत्याशियों ने बेबाक बयान दिए। उनका कहना था कि संविधान बदलने के लिए इतना बड़ा बहुमत चाहिए। संविधान बदलने का मतलब है कि हिंदू राष्ट्र बनाना और मनुस्मृति के आधार पर नया संविधान लिखा जाना। भाजपा की हार का सबसे बड़ा कारण यही नारा बना। संविधान बदलने की बात पर सबसे ज्यादा प्रतिक्रिया दलित समाज में हुई। इसका असर आदिवासी और पिछड़े समाज में भी हुआ। लेकिन दलितों के लिए यह सिर्फ अधिकारों का नहीं बल्कि भावुकता का भी मुद्दा बना। उनके लिए संविधान सिर्फ एक कानून की किताब नहीं, केवल अधिकारों की गारंटी नहीं बल्कि बाबा साहब अंबेडकर के शब्दों और सपनों का संग्रह भी है। यह भी गौरतलब है कि पिछले एक दशक से जिन राज्यों में दलित समाज के बीच बहुजन नायकों की जयंतियां मनाई जा रही हैं, संविधान की प्रस्तावना दोहराई जा रही है, वहां इस बार भाजपा को शिकस्त झेलनी पड़ी। इसका सबसे बड़ा उदाहरण उत्तर प्रदेश है। देश के सबसे बड़े सूबे की 80 लोकसभा सीटों में 17 सीटें अनुसूचित वर्ग के लिए आरक्षित हैं। यूपी में दलित आबादी 21.5 फीसदी है। इसमें आधी आबादी करीब 11 फीसदी केवल जाटव समाज है।

जाटव समाज बीएसपी का मूल समर्थक रहा है। लेकिन इस चुनाव में मायावती एक भी सीट नहीं जीत सकीं। उनका वोट प्रतिशत भी 1995 की स्थिति में पहुंच गया। इस बार बसपा को केवल 9.43 फीसदी वोट मिले। बसपा किसी सीट पर दूसरे स्थान पर भी नहीं आ सकी। इसका बड़ा कारण मायावती द्वारा भतीजे आकाश आनंद को बीच चुनाव में नेशनल कोऑर्डिनेटर और उत्तराधिकारी पदों से हटाया जाना रहा। जाटव समाज का पढ़ा–लिखा और जागरूक तबका संविधान बदलने की मुनादी करने वाली भाजपा को हराने के लिए बसपा को छोड़कर इंडिया एलाइंस की ओर चला गया। हालांकि इसकी संख्या बहुत ज्यादा नहीं है।

लेकिन इस बार बड़ा प्रभाव गैर जाटव वोट में दिखाई दिया। यह समाज भाजपा से निकलकर बड़े पैमाने पर इंडिया गठबंधन के साथ गया। इसकी मूल वजह संविधान बदलने का नारा बना।

गैर–जाटव जातियों में कोरी, पासी और धोबी; ये तीन जातियां विशेष रूप से इंडिया गठबंधन के साथ आईं। इसके अतिरिक्त वाल्मीकि, सोनकर, धानुक, मुसहर और खरवार आदि जातियों का एक हिस्सा भाजपा से निकलकर इंडिया गठबंधन के साथ गया। यही कारण है कि 2019 में सुरक्षित 17 सीटों में से 14 सीटें जीतने वाली भाजपा को इस बार बड़ा झटका लगा। इस चुनाव में विपक्ष को 9 सुरक्षित सीटों पर जीत मिली है। इनमें 7 पर सपा, 1 पर कांग्रेस और नगीना सीट पर आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर आजाद चुनाव जीते। जाहिर तौर पर सामान्य सीटों पर भी दलित वोट के निकलने से भाजपा को बड़ा नुकसान हुआ।

संविधान बचाने के इस चुनाव को सबसे ज्यादा राहुल गांधी ने प्रभावित किया। 1989 से कांग्रेस पार्टी यूपी की सत्ता से बाहर है। 2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को बड़ी सफलता मिली थी। इस चुनाव में कांग्रेस ने यूपी में 18.2 फ़ीसदी वोट हासिल करके 21 सीटों पर जीत हासिल की थी। जबकि 2014 में वह केवल अमेठी और रायबरेली सीट पर ही जीत सकी। 2019 में राहुल गांधी भी अमेठी हार गए। केवल सोनिया गांधी ही अपनी सीट बचा सकीं। लेकिन 2024 के चुनाव में राहुल गांधी ने अपने हाथ में संविधान लेकर जब कहा कि नरेंद्र मोदी और भाजपा बाबा साहब का संविधान बदलना चाहते हैं तो दलित समाज उनके साथ खड़ा हो गया। सामाजिक न्याय, आरक्षण बढ़ाने और जातिगत जनगणना के मुद्दों ने राहुल गांधी को विशेषकर अति पिछड़ों में लोकप्रिय बनाया। मुस्लिम समाज तो भारत जोड़ो यात्रा से ही कांग्रेस की ओर मुड़ने लगा था। इन तमाम मुद्दों ने राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक लोकप्रिय बना दिया। चुनाव बाद हुए सर्वेक्षण में यूपी के 36 फ़ीसदी लोगों ने राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की बात कही जबकि केवल 32 फ़ीसदी लोग ही नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री देखना चाहते थे। रोजगार के सवाल से लेकर सामाजिक सुरक्षा और संविधान बचाने की इस लड़ाई में राहुल गांधी सबसे विश्वसनीय चेहरा बनकर उभरे। दलित, अति पिछड़ा और अल्पसंख्यकों में आज राहुल गांधी सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं।

राहुल गांधी और अखिलेश यादव की जोड़ी को यूपी की जनता ने बहुत पसंद किया। यही कारण है कि जहां कांग्रेस ने 6 सीटें जीतीं, वहीं सपा ने 37 सीटों पर जीत हासिल की। 2004 में मुलायम सिंह यादव ने 36 सीटों पर जीत हासिल की थी। अखिलेश यादव ने इस बार अपने पिता का रिकॉर्ड तोड़ा। सपा के प्रति दलितों की नाराजगी इस बार नहीं दिखाई दी। इसके दो कारण हैं। अखिलेश यादव ने पहली बार चुनाव में बाबा साहब अंबेडकर का नाम लिया और संविधान बचाने के मुद्दे को उठाया। इसके अतिरिक्त उन्होंने जाटव और पासी समाज को अपेक्षा से अधिक प्रतिनिधित्व दिया। मेरठ और अयोध्या सामान्य सीटों पर उन्होंने दलित प्रत्याशी मैदान में उतारे। अयोध्या से अवधेश प्रसाद पासी ने पड़े बहुमत से जीत हासिल की। इस बार अयोध्या में नया नारा दिया गया– 'ना मथुरा ना काशी, अयोध्या में अवधेश पासी!'

संविधान बचाने का मुद्दा इतना असरदार था कि दलित समाज की दो बड़ी जातियां–कोरी और धोबी को इंडिया गठबंधन द्वारा एक भी टिकट नहीं दिए जाने के बावजूद बड़े पैमाने पर इन जातियों ने सपा और कांग्रेस को वोट दिया। यही कारण है कि यूपी में 75 सीटें जीतने का सपना देखने वाली भाजपा केवल 33 सीटों पर सिमट गई। 70 फ़ीसदी से अधिक दलित वोट भाजपा के विरोध में गया। यह भी गौरतलब है कि दलित उत्पीड़न के मुद्दों पर बहुत मुखर रहे चंद्रशेखर आजाद को नगीना सीट पर जीत मिली। एक तरफ मायावती की राजनीति का अवसान दिख रहा है तो चंद्रशेखर आजाद की जीत को दलित राजनीति के नए विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। मायावती का जाटव वोट आने वाले समय में जाटव समाज से आने वाले चंद्रशेखर आजाद के साथ शिफ्ट हो सकता है। जबकि गैर जाटव दलित वोट अपने लिए बेहतर विकल्प की तलाश में है। पिछले सालों में गैर जाटव दलित वोट बसपा को छोड़कर भाजपा की ओर चला गया था। यह पहला चुनाव है जब गैर जाटव वोट कांग्रेस और राहुल गांधी से प्रभावित नजर आ रहा है। अगर कांग्रेस ने गैर जाटव जातियों को उत्तर प्रदेश में सम्मान और उचित प्रतिनिधित्व दिया तो कांग्रेस का यह आधार वोट बन सकता है।

सीएम योगी ने विकास कामों का किया निरीक्षण, कहा, गुणवत्ता से तनिक भी समझौता बर्दाश्त नही

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्माणाधीन देवरिया बाईपास फोरलेन, नाला तथा तारामंडल क्षेत्र के सड़क व नाला का निरीक्षण कर निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण तरीके से तय समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।शनिवार पूर्वाह्न गोरखपुर चिड़ियाघर का निरीक्षण करने के बाद सीएम योगी ने भगत चौराहे पर देवरिया बाईपास फोरलेन के निर्माण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने भौतिक निरीक्षण करने के साथ ही प्रोजेक्ट के ड्राइंग मैप का भी अवलोकन किया।

मौके पर मौजूद अधिकारियों को सीएम ने निर्देशित किया कि फोरलेन के निर्माण में गुणवत्ता से तनिक भी समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निर्माण समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने की भी हिदायत दी। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नाला की ऊंचाई का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि इसमें आसपास के मोहल्ले का पानी आ सके। इसके साथ ही जहां जरूरी हो वहां चेम्बर बनाए जाएं। नाला को ढककर इसे फुटपाथ के रूप में इस्तेमाल करने लायक बनाए। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश भी दिए कि देवरिया बाईपास के शुरुआती कनेक्टिंग पॉइंट पर बन रहे नौसढ़–पैडलेगंज सिक्सलेन और फ्लाईओवर के पास सर्वे कर यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि कहीं भी भविष्य में जाम की समस्या न रहे।

देवरिया बाईपास के बाद सीएम योगी तारामंडल क्षेत्र में बन रहे सड़क व नाला का जायजा लेने पहुंचे। तारामंडल के सामने निर्माण कार्य को देखने के बाद उन्होंने अधिकारियों से कहा कि काम में तेजी लाकर इसे जल्द पूरा किया जाए।

गुणवत्ता के साथ यह भी सुनिश्चित किया जाए कि इसकी ऊंचाई से आमजन को कोई असुविधा न हो।

गोरखपुर क्लबः परिसर के नए रेस्ट्रों में परोसी जा रही थी शराब

गोरखपुर। गोरखपुर क्लब के पट्टे की अवधि मार्च 2025 में खत्म हो रही है। 1887 को गोरखपुर क्लब की लीज डीड तत्कालीन अंग्रेजी हुकूमत के पदाधिकारियों ने की थी। अंतिम बार क्लब के लीज को 1999 में बढ़ाया गया था। तत्कालीन सचिव सुरेश सिंह ने बताया कि 1999 में गोरखपुर क्लब की लीज उन्होंने ही बढ़वाई थी। इस लीज की अवधि 2025 मार्च को खत्म हो जाएगी। गोरखपुर क्लब परिसर में खुलेआम शराब परोसी जा रही थी। जिस परिसर में शराब परोसी जा रही थी, वह रेस्टोरेंट की है। आबकारी विभाग ने गोपनीय सूचना के आधार पर बीते बृहस्पतिवार को दोपहर छापा मारकर क्लब के अंदर दूसरे किसी बार के संचालन पर सख्ती से रोक लगा दी। सूत्रों ने बताया कि यह बार भी क्लब के सदस्यों के लिए ही बताकर संचालित किया जा रहा था, ऐसे में एक परिसर में दो बार काउंटर पर रोक लगाकर आबकारी टीम के सदस्य चले गए।

दरअसल, गोरखपुर क्लब के पट्टे की अवधि मार्च 2025 में खत्म हो रही है। 1887 को गोरखपुर क्लब की लीज डीड तत्कालीन अंग्रेजी हुकूमत के पदाधिकारियों ने की थी। अंतिम बार क्लब के लीज को 1999 में बढ़ाया गया था। तत्कालीन सचिव सुरेश सिंह ने बताया कि 1999 में गोरखपुर क्लब की लीज उन्होंने ही बढ़वाई थी। इस लीज की अवधि 2025 मार्च को खत्म हो जाएगी। एक तरफ गोरखपुर क्लब की लीज अवधि बढ़ी नहीं और परिसर में ही दूसरा नया ओपन बार संचालित होने लगा। आबकारी विभाग के सूत्रों ने बताया कि विभाग ने इस नए बार के संचालन पर रोक लगा दी है।

लीज के नियमों का पालन नहल करते क्लब

कलक्ट्रेट में चर्चा है कि शहर के सभी क्लब लीज डीड की शर्तों का पालन नहीं करते हैं। नियम के विरुद्ध क्लब के लीज डीड परिसर का ये व्यावसायिक उपयोग करने लगते हैं। इससे होने वाला आर्थिक लाभ वे खुद रखते हैं, न कि क्लब या जिला प्रशासन के खाते में जाता है। सीएम योगी ने भी सरकारी जमीनों का ऐसे निजी लाभ लेने वालों पर सख्ती से कार्रवाई करने के लिए नजूल नीति को लागू किया है।

बार लाइसेंस को बढ़ाने के लिए लखवच चुकी थी तलवार

गोरखपुर क्लब का लीज कंपनी एक्ट में हुआ है। कंपनी एक्ट में चेयरपर्सन और सदस्य होते हैं। कंपनी एक्ट में कोई भी सरकारी अधिकारी या राज्य संपत्ति अधिकारी चेयरपर्सन या सदस्य नहीं बन सकता। इसमें डीएम को सिर्फ अध्यक्ष पद पर आमंत्रित कर पदेन किया जाता है। कोरोना काल के पहले इसी बार के लाइसेंस के नवीनीकरण को लेकर सोसाइटी और अधिकारियों के बीच ठन गई थी। इसके रिकॉर्ड अभिलेखों में भी दर्ज हैं। तत्कालीन समय अधिकारी खुद को क्लब के जिम्मेदार के तौर पर स्थापित कर रहे थे। तब क्लब की तरफ से लिखित में बताया गया था कि क्लब एक निजी कंपनी है और सरकारी अधिकारी इस क्लब का सदस्य बनेगा तो इसे कंपनी के शेयर होल्डर के तौर पर जुड़ना होगा। इसके बाद मामला, बार के लाइसेंस की समयावधि बढ़ाकर खत्म किया गया।

निपाल लश्नज पर भी संकट, कर रहे इंतजार

निपाल लॉज की लीज छह फरवरी 1941 को लॉज निपाल 38 के नाम से तत्कालीन डीएम ने की थी। अधिसूचित क्षेत्र का पट्टा 1903 में शुरू हुआ था। 30 वर्ष के अंतराल पर लीज की समयावधि बढ़ाई जानी थी।

ऐसे में 58 वर्ष पूरा होने पर 1999 में फिर से 30 वर्ष के लिए निपाल लॉज की लीज डीड बढ़ाए जाने का आवेदन तत्कालीन पदाधिकारियों ने डीएम से किया था, लेकिन इस बार डीड पहले 20 वर्ष फिर 10 वर्ष तक बढ़ाए जाने की शर्त रख दी गई। लॉज निपाल क्लब के तत्कालीन पदाधिकारियों ने 2019 में तत्कालीन डीएम के विजयेंद्र पांडियन के पास आवेदन कर समय बढ़ाने का अनुरोध किया था। तभी से अब तक लंबित है।

जिला आबकारी अधिकारी महेंद्र नाथ सिंह ने बताया कि संचालक को नियमों की जानकारी नहीं थी। आबकारी विभाग की टीम ने जाकर नियमानुसार संचालन और अन्य बारीकियां समझा दी हैं। आने वाले समय में वहां शराब या आबकारी से जुड़े किसी पेय पदार्थ का संचालन नहीं हो, इस सख्ती के साथ उन्हें निर्देशित किया गया है। 1888 रेस्ट्रो व बार संचालक रक्ष ढींगरा ने बताया कि हमारी तरफ से किसी तरह का गलत संचालन नहीं किया जा रहा था। क्लब के सदस्यों के लिए ही सिर्फ खुले में रेस्टो और बार संचालित किया जा रहा था। क्लब के सदस्यों के लिए ही अलग से बनाए बार में भी सुविधा थी। ये बाहरी लोगों के लिए नहीं था।

'स्पेशल 26' की तर्ज पर आयकर अधिकारी बताकर पहुंचे थे छापा मारने, पुलिस ने दबोचा

गोरखपुर। शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे चार लोग कार से रामभजन के घर पहुंचे। उन्होंने खुद को आयकर अधिकारी बताया। शिकायत पर घर की तलाशी कराने को कहा।

उन्होंने रामभजन को अपना आई कॉर्ड दिखाकर दबाव में लेना शुरू कर दिया। ये सब चल ही रहा था कि किरायेदार अनिल गुप्ता भी मौके पर पहुंच गए। उन्हें शक हुआ तो चारों से पूछताछ शुरू कर दी। कहा,स्थानीय पुलिस को बुला रहे हैं उसके बाद जांच करें। गोरखपुर। एम्स इलाके के कुसम्ही बाजार में खुद को आयकर अधिकारी बताकर छापा मारने पहुंचे तीन आरोपियों को शुक्रवार सुबह पुलिस ने दबोच लिया। एक आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने उनके पास से फर्जी आई कार्ड और भारत सरकार आयकर विभाग का बोर्ड लगी कार बरामद की है।

कार पर दिल्ली का नंबर प्लेट लगा है। आशंका है कि कार भी चोरी की है। पुलिस ने पीड़ित भजनलाल की तहरीर पर केस दर्ज कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार,

कुसम्ही बाजार निवासी भजनलाल उर्फ रामभजन मद्धेशिया, सिंघड़िया स्थित एक विदेश भेजने वाली कंपनी में एजेंट हैं। उनका कुसम्ही में मकान है। ऊपरी मंजिल पर एक सिपाही अनिल गुप्ता किराए पर रहते हैं। अनिल वर्तमान में लाइनहाजिर हैं। शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे चार लोग कार से रामभजन के घर पहुंचे। उन्होंने खुद को आयकर अधिकारी बताया। शिकायत पर घर की तलाशी कराने को कहा।

उन्होंने रामभजन को अपना आई कॉर्ड दिखाकर दबाव में लेना शुरू कर दिया। ये सब चल ही रहा था कि किरायेदार अनिल गुप्ता भी मौके पर पहुंच गए। उन्हें शक हुआ तो चारों से पूछताछ शुरू कर दी। कहा–स्थानीय पुलिस को बुला रहे हैं उसके बाद जांच करें। इसको लेकर बहस शुरू हुई, तब सिपाही ने कहा कि थाने चलिए, वही बात होगी। तब चारों उनसे कुछ ले–देकर मामला मैनेज करने की बात करने लगे। इस बीच सिपाही अनिल ने जगदीशपुर चौकी पुलिस को फोन कर दिया। पुलिस चौकी से दरोगा प्रमोद कुमार मौके पर पहुंच गए। इस दौरान एक आरोपी मौके से फरार हो गया, जबकि तीन पकड़ लिए गए। पुलिस तीनों को कार समेत थाने लाई। पूछताछ में पता चला कि पकड़ा गया एक जालसाज बिहार तो दूसरा गाजियाबाद का रहने वाला है। इनका एक गिरोह है, जिसके गुर्गे अलग–अलग जिलों में जाकर ठगी करते हैं।

फिल्म स्पेशल 26 से लिया आइडिया

फर्जी आयकर अधिकारी बनकर जांच करने पहुंचे आरोपियों ने बताया कि उन्होंने फिल्म स्पेशल 26 से आइडिया लेकर ठगी शुरू की। वे फिल्म की तरह ही फर्जी टीम बनाकर और लग्जरी कार पर भारत सरकार का बोर्ड लगाकर जालसाजी की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस की मानें तो अबतक यह गिरोह करीब एक दर्जन वारदातों को अंजाम दे चुका है।

आयकर विभाग दिल्ली में गाड़ी चलाता है आरोपी राजेश

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों की पहचान गोरखपुर के सिकरीगंज इलाके के भीटी के छतिहारी टोला निवासी राजेश कुमार (वर्तमान पता दिल्ली), बिहार के सिवान जिले के बड़हरिया निवासी उजेंद्र पांडेय और गाजियाबाद जिले के खोड़ा इलाके के प्रताप बिहार कॉलोनी निवासी नवाजिश अली के रूप में हुई है। पुलिस को आरोपियों ने बताया कि उनका ऑफिस दिल्ली में है। ये अन्य प्रदेशों व यूपी के कई जिलों में ठगी कर चुके हैं। इनमें से मूलरूप से गोरखपुर के महदेवा बाजार निवासी राजेश कुमार आयकर अधिकारी बनता था, जबकि अन्य मातहत।

थाने पर आए उसके भाई ने बताया कि वह और उसका भाई आयकर विभाग दिल्ली में गाड़ी किराए पर देते थे। कई बार राजेश आयकर अधिकारियों की गाड़ी स्वयं चलाकर ले जाता था। साथ रहते हुए वह उनके हाव–भाव से परिचित हो गया था। इस बीच उन्होंने आयकर विभाग का फर्जी आई कॉर्ड भी बनवा लिया। पकड़ी गई गाड़ी बिहार के सिवान जिला निवासी उजेंद्र पांडेय की बताई जा रही है।

फरार साथी पर 96 हजार रुपये लेकर जाने का आरोप

पीड़ित रामभजन ने पुलिस को बताया कि आरोपी सुबह लग्जरी गाड़ी से उनके घर पहुंचे और कहा कि उनके खिलाफ शिकायत मिली है। तुम बहुत अधिक रुपये कमा रहे हो। इसपर उसने पांच लाख रुपये कर्ज में होने की जानकारी दी। यह सुनकर वे नाराज हो गए। इस बीच किरायेदार सिपाही को उनकी भाषा व हाव–भाव पर संदेह हुआ।

रामभजन ने बताया कि एक आरोपी उनसे 96 हजार रुपये लेकर फरार हो गया है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि फर्जी आयकर अधिकारी बताकर जांच करने पहुंची टीम को कार समेत पकड़ लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। पहले भी उनके द्वारा आयकर अधिकारी बन कर अन्य स्थानों पर जांच के नाम पर रुपये लेकर फरार होने की बात स्वीकार की गई है। जांच के बाद उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रामादेवी हाईवे बना 'खाई-वे'

तस्वीर: ऐसी गर्मी... इंसान क्या सड़क भी 'झुलस' गई

हाईवे पर पिघला डामर, वाहनों के पहियों से नालीनुमा हुई रोड

कानपुर,संवाददाता। कानपुर में भीषण गर्मी कहर बरपा रही है। गर्मी के चलते रामादेवी हाईवे की सड़क का डामर पिघल गया। इससे वाहनों के पहियों से रोड नालीनुमा हो गई। राजस्थान के थार मरुस्थल से होकर आ रहीं उत्तर–पश्चिमी गर्म हवाओं की वजह से कानपुर परिक्षेत्र का पारा लगातार हाई बना हुआ है। उमस भरी गर्मी में शहरी हलकान हैं। गुरुवार को महानगर का अधिकतम और न्यूनतम तापमान प्रदेश में सबसे अधिक रहा है। शहरियों ने दिन भर लू के थपेड़े झेले।

सीएसए मौसम विभाग के प्रभारी डॉ. एसएन सुनील पांडेय का कहना है कि मानसूनी पूर्वी हवाएं अभी रफ्तार नहीं पकड़ पा रही हैं। इस वजह से गर्मी बनी हुई है। चार–पांच दिन अभी यही स्थिति बने रहने का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, गुरुवार को अधिकतम तापमान सामान्य औसत से तीन डिग्री और न्यूनतम तापमान ढाई डिग्री अधिक रहा है।

एयरफोर्स स्टेशन क्षेत्र में अधिकतम तापमान 46.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 34.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। यह तापमान प्रदेश में अधिकतम है। सीएसए में अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग प्रभारी डॉ. पांडेय का कहना है कि सीएसए और एयरफोर्स स्टेशन में दो से तीन डिग्री का फर्क रहता है। सीएसए में हरियाली अधिक होने से तापमान कम रहता है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, अभी बारिश की कोई संभावना नहीं है।

डॉ. पांडेय ने बताया कि अभी कोई चक्रवाती क्षेत्र भी नहीं बना है। हवाओं का चक्रवाती क्षेत्र बनने पर मानसूनी पूर्वी हवाओं की रफ्तार बढ़ेगी। वहीं, कानपुर से एक हैरान करने देने वाली तस्वीर भी सामने आई। भीषण गर्मी में इंसान तो क्या सड़कें भी झुलस जा रही हैं। गर्मी की वजह से रामादेवी हाईवे की सड़क का डामर पिघल गया और वाहनों के पहियों से सड़क नालीनुमा हो गई।

बुंदेलखंड में प्रचंड गर्मी से नौ की मौत

जून में गर्मी बाहर निकलने वाले लोगों की कठिन परीक्षा ले रही है। गुरुवार इस महीने का सबसे गर्म दिन रहा। बांदा–चित्रकूट में अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लू की चपेट में आकर उल्टी–दस्त और बुखार से नौ लोगों की मौत हो गई। इनमें चित्रकूट में तीन, बांदा में दो, महोबा में चार लोगों की जान चली गई।

चित्रकूट के पहाड़ी ट्रक में खलासी छोटेलाल (45) की तबीयत अचानक बिगड़ गई। चालक ने उसे जिला अस्पताल ले गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं एक ट्रेन यात्री समेत दो लोगों की मौत बुखार और पेटदर्द से हो गई। बिहार के सुभाष कुमार (22) अहमदबाद–बरौनी ट्रेन से घर जा रहे थे। ट्रेन में बुखार व पेटदर्द की शिकायत होने लगी। ट्रेन चित्रकूटधाम कर्वी स्टेशन पहुंची तो आरपीएफ ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं बांदा में एक युवक की डायरिया और एक की लू लगने से मौत हो गई।

उधर महोबा गर्मी में हालत बिगड़ने से एक और किसान की मौत हो गई। शाम वह खेत से घर वापस लौटा था तभी अचानक गर्मी के चलते हालत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। उधर जनपद प्रतापगढ़ के कुर्रही गांव निवासी सर्वेश कुमार (42) गिट्टी लेने पत्थरमंडी कबरई आया था। क्रशर प्लांट के पास हालत बिगड़ने पर नीचे उतरते ही वह अचेत होकर गिर गया।

इससे उसकी मौके पर मौत हो गई। वहीं, कहरा निवासी जयनारायण (50) खेत गया था। जहां वह अचेत होकर गिर गया और मौत हो गई। इसी तरह थाना खन्ना के पुरा गांव निवासी दिनेश सिंह (55) खेत से घर वापस लौटा। तभी अचानक गर्मी के चलते हालत बिगड़ गई। परिजन उसे जिला अस्पताल लाए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

'अगर आपकी रगों में भी खून है तो आज दान करके देखें..

कोई 158 तो कोई 22 बार कर चुका है रक्तदान

वाराणसी,संवाददाता। बीएचयू से हर महीने 300 यूनिट से ज्यादा खून गर्भवती महिलाओं, हीमोफीलिया, थैलेसीमिया सहित अन्य जरूरतमंदों को बिना डोनर के दिया जाता है। आईएमएस ब्लड बैंक के साथ ही मंडलीय अस्पताल और जिला अस्पताल को मिलाकर करीब 200 यूनिट रक्त ऐसे मरीज को दिया जाता है।

अस्पतालों में इलाज के दौरान अगर किसी मरीज को खून की जरूरत होती है तो ब्लड बैंक से डोनेट करने के बाद ही खून मिलता है। इन सबके बीच ब्लड बैंकों की ओर से हर महीने 500 यूनिट से ज्यादा ब्लड जरूरतमंद मरीजों (हीमोफीलिया, थैलेसीमिया, कैंसर मरीज, गर्भवती महिलाएं आदि) को बिना डोनेट के ही दिया जाता है। ऐसा तभी संभव हो जाता है, जब अधिक से अधिक लोग स्वैच्छिक रक्तदान करते हैं। अगर आप ऐसा करना चाहते हैं तो 14 जून को अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से लगने वाले रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सेवा कर सकते हैं।

बीएचयू अस्पताल, मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा के साथ ही जिला महिला अस्पताल, दीनदयाल अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों में भर्ती बहुत से ऐसे मरीज होते हैं, जिनके साथ कोई डोनर नहीं होता है। ऐसे मरीजों की मदद के लिए समय–समय पर रक्तदान शिविर लगाकर लोगों से अपील की जाती है।

तीन जगहों पर आज लगेगा शिविर

विश्व रक्तदाता दिवस पर शुक्रवार को अमर उजाला फाउंडेशन और काशी रक्तदान–नेत्रदान कुटुंब के सहयोग से काशी विश्वनाथ धाम परिसर में रक्तदान शिविर लगाया जा रहा है। सुबह 9 बजे 3 बजे तक लगने वाले शिविर में रक्तदान करने वालों को विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए वीआईपी गेट से प्रवेश मिलेगा। इसके अलावा मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा और दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल में भारत विकास परिषद वरुणा शाखा के सहयोग से भी शिविर लगाया जाएगा।

गर्भवती महिलाओं के लिए रजनी कर चुकी हैं 22 बार रक्तदान

बीएचयू ब्लड बैंक में मेडिकल सोशल वर्कर के पद पर कार्यरत रजनी गुप्ता अब तक गर्भवती महिलाओं के लिए 20 बार ब्लड और दो बार एसडीपी यानी सिंगल डोनर प्लेट्लेट दे चुकी हैं। जब किसी मरीज के परिजन ब्लड के लिए आते हैं और उसके पास डोनर नहीं होता। तो रजनी तुरंत खून देकर उसका सहयोग करती हैं।

158 बार रक्तदार चुके हैं 58 साल के सत्यप्रकाश

चेतगंज निवासी सत्य प्रकाश आर्य 58 साल की उम्र में अब तक 158 बार रक्तदान कर चुके हैं। इसमें 123 बार ब्लड डोनेशन जबकि 35 एसडीपी कर चुके हैं। आज तक किसी तरह का कोई सेहत पर दुष्प्रभाव नहीं पड़ा। उनका कहना है कि पहली बार 1984 में हरियाणा में रहने के दौरान एक मरीज के इलाज के लिए रक्तदान किया था। सत्यप्रकाश का कहना है कि उनके साथ–साथ अब परिवार के अन्य सदस्य भी इस मुहिम में जुड़ गए हैं।

सूचना मिलते ही रक्तदान करने पहुंच जाते हैं एसआई राजकुमार

उत्तर प्रदेश पुलिस के 2015 बैच के सब इंस्पेक्टर राजीव कुमार सिंह कमिश्नरेट के कपसेठी थाने के थानेदार हैं। राजीव प्रयागराज और वाराणसी के ब्लड डोनर ग्रुप से जुड़े हुए हैं। किसी भी असहाय या निर्धन या जरूरतमंद व्यक्ति को रक्त की जरूरत की जानकारी राजीव को मिलती है तो वह उसकी मदद के लिए तत्काल रक्तदान करने ब्लड बैंक चले जाते हैं। उनका कहना है कि किसी की मदद करने के बाद जो सुकून मिलता है, उसकी कोई कल्पना नहीं है।

'मेरी बहन को छत से फेंका गया'

कानपुर ,संवाददाता। कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के परीक्षा भवन की पांचवीं मंजिल में दो दोस्तों के साथ बैठी डॉक्टर दीक्षा तिवारी (26) की नीचे गिरने से मौत हो गई। 2023 में एमबीबीएस करने के बाद तीनों की इसी साल इंटर्नशिप पूरी हुई थी। इसके बाद तीनों का ही अलग–अलग अस्पतालों में मेडिकल अफसर पद पर चयन हो गया था। इसी खुशी में तीनों ने बुधवार रात को एक दोस्त के कमरे में पार्टी की और इसके बाद मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। पांचवीं मंजिल पर बने डक्ट के स्लैब में बैठकर बातें कर रहे थे।

अचानक स्लैब धंसने से डॉ. दीक्षा नीचे जा गिरी। हालांकि बरेली से आए परिजनों ने दोनों दोस्तों पर ही नीचे फेंकने का आरोप लगाया है।

पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। डीसीपी सेंट्रल आरएस गौतम ने बताया कि बरेली की रहने वाली डॉ. दीक्षा तिवारी और कल्याणपुर के रहने वाले उसके सहपाठी डॉ. मयंक सिंह का मेरठ मेडिकल कॉलेज में मेडिकल अफसर पद पर चयन हुआ था। तीसरे दोस्त मुजफ्फरनगर के डॉ. हिमांशु कुमार का कानपुर मेडिकल कॉलेज में इसी पद पर चयन हुआ था। इस खुशी में डॉ. दीक्षा ने पार्टी दी थी।

तीनों ने पहले बुधवार रात आर्यनगर स्थित डॉ. हिमांशु के कमरे में पार्टी की। इसके बाद मेडिकल कॉलेज स्थित परीक्षा भवन की पांचवीं मंजिल पर पहुंच गए। डक्ट के ऊपर बने स्लैब पर बैठकर बातचीत कर रहे थे। तभी अचानक स्लैब धंस गया और डॉ. दीक्षा नीचे जा गिरी। दोनों साथी उसे लेकर हैलट पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। स्वरूपनगर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों और अधिकारियों को सूचना दी।

पुलिस के मुताबिक डक्ट की स्लैब कमजोर थी, भाई ने कहा–फेंका गया

एडिशनल सीपी हरीश चंदर, डीसीपी सेंट्रल आरएस गौतम और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस और फोरेंसिक टीम की मानें तो दीक्षा जिस डक्ट पर बैठी थी, वह बेहद कमजोर थी।

इस वजह से हादसा हो गया। वहीं हादसे की सूचना पर शहर आए दीक्षा के चचेरे भाई गौरव ने आरोप लगाया कि छत पर रगड़ के निशान मिले हैं, जिससे लग रहा है कि दीक्षा को घसीटकर डक्ट से नीचे फेंक दिया। पुलिस ने इस आरोप के बाद डॉ. मयंक और डॉ. हिमांशु को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज भी चेक कर रही है।

छत पर मिले घसीटने के निशान

चचेरे भाई गौरव ने बताया कि उसकी बहन दीक्षा की मौत की जो कहानी सुनाई गई है, वो ठीक नहीं लग रही है। छत पर पैरों के घसीटने के निशान हैं। मेरी बहन पैरों में चप्पल के साथ नीचे गिरी है।

संदेह है कि साथी डॉक्टरों ने उसे डक्ट में धक्का दिया है। बरेली से आए दीक्षा के मौसा अरुण दुबे का आरोप था कि फॉरेंसिक टीम ने ठीक से जांच नहीं की। छत पर पैरों के घसीटने के निशान बने हुए हैं, उसे पुलिस ने नजरअंदाज किया।

मंडलीय अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल निर्माण का रास्ता साफ, शुरू हुई ये प्रक्रिया

वाराणसी,संवाददाता। सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल से मंडलीय अस्पताल में आने वाले मरीजों की सहूलियतें बढ़ जाएंगी। साथ ही उन्हें अन्य चिकित्सकीय सुविधाएं भी मिलने लगेंगी। सरकार की ओर से इसका बजट भी जारी कर दिया गया है। मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा परिसर में बनने वाले 500 बेड के सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। निगरानी के लिए सरकार ने प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसलटेंट्स की तैनाती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही योजना विभाग ने भी कार्रवाई शुरू कर दी है। एजेंसियों के निर्धारण के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

अस्पताल परिसर में पांच मंजिला अस्पताल बनने के बाद मरीजों को सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं का लाभ मिलेगा और उन्हें बीएचयू के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। गैस्ट्रोलॉजी, कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी सहित अन्य सेवाएं मिलेंगी। मॉडयूलर ओटी, आईसीयू की सुविधा भी रहेगी। हॉस्पिटल बनाने के लिए सरकार की ओर से बजट पहले ही जारी किया जा चुका था। डीपीआर भी तैयार। 5.55 एकड़ में 161 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से नवनिर्माण कार्य को पूरा किया जा रहा है। योजना विभाग द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसलटेंट्स (पीएमसी) की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पीएमसी यूनिट की तैनाती के साथ ही 75 दिन में आर्किटेक्चरल डिजाइन कंसलटेंसी, 18 महीने में निर्माण कार्य और 36 महीने के डिफेक्ट लाइबिलिटी समयावधि में पूरी कर ली जाएगी।

सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा के मामले में अभियोजन की स्वीकृति

मनियर ब्लाक में 25 जनवरी को आयोजित सामूहिक विवाह में पकड़ी गई थी धांधली सोशल मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के बाद हरकत में आया था जिला प्रशासन चार सरकारी अधिकारी सहित 17 दलालों के खिलाफ दर्ज कराई गई थी प्राथमिकी

यूपी के बलिया में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा सामने आया था। इस मामले में चार अधिकारियों सहित 17 आरोपितों के खिलाफ पुलिस कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। समाज कल्याण विभाग के तीन अधिकारियों के खिलाफ शासन की ओर से अभियोजन की स्वीकृति मिल गई है जबकि पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के एक अधिकारी के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति के लिए शासन को पत्र भेजा गया है।

बलिया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा करने वाले चार अधिकारियों सहित 17 आरोपितों के खिलाफ पुलिस कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। समाज कल्याण विभाग के तीन अधिकारियों के खिलाफ शासन की ओर से अभियोजन की स्वीकृति मिल गई है, जबकि पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के एक अधिकारी के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति के लिए शासन को पत्र भेजा गया है।

एसपी देवरंजन वर्मा ने बताया कि अभियोजन की स्वीकृति मिलने के बाद आरोपितों के खिलाफ 10 जून के पहले ही चार्जशीट कोर्ट में भेज दी गई है। इस मामले में सभी आरोपित अभी जेल में हैं। हाईकोर्ट से भी किसी को राहत नहीं मिला है। जांच का दायित्व डीएम रवींद्र कुमार ने सीडीओ ओजस्वी राज को सौंपा था।

फर्जीवाड़ा में समाज कल्याण विभाग के सहायक विकास अधिकारी सुनील कुमार, अतिरिक्त प्रभारी भानु प्रताप, पटल सहायक रवींद्र गुप्ता एवं वरिष्ठ सहायक पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी वीरेंद्र कुमार के अलावा 14 आरोपितों के खिलाफ मनियर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था फर्जीवाड़े का वीडियो

शासन ने 1640 लाभार्थियों की शादी का लक्ष्य निर्धारित किया था।

बेल्थरारोड के हल्दीरामपुर स्थित इंटर कालेज में 17 जनवरी को सीयर, नवानगर, पंदह, नगरा, रसड़ा, गड़वार ब्लाक के 662 जोड़ों की शादी कराई गई थी जबकि 25 जनवरी को मनियर में 568 जोड़ों का विवाह हुआ था। फर्जीवाड़ा का मामला सामने आने पर 240 से अधिक अपात्रों से उपहार के सामग्री भी वापस करा लिया गया था। प्रभारी समाज कल्याण अधिकारी पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी की भूमिका भी संदिग्ध थी लेकिन उन्हें खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। मामले की जांच कर रहे मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज ने अंतिम रिपोर्ट भी शासन को भेज दी। इसी आधार पर लाभार्थियों के रोकी गई धनराशि भी भेज दी गई।

वीडियो वायरल होने पर एक्शन

सोशल मीडिया पर विवाह समारोह का वीडियो प्रसारित होने के बाद जिलाधिकारी रवींद्र कुमार और सीडीओ ओजस्वी राज ने जांच के लिए अधिकारियों की टीम बनाई थी। मनियर में मुकदमा दर्ज करने के बाद एसपी देवरंजन वर्मा ने 25 निरीक्षकों को लगाकर मामले में एक–एक लाभार्थी का बयान दर्ज कराया था। बयान और साक्ष्य के आधार पर सरकारी अधिकारियों सहित 17 आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में भेज दी गई है।

यूपी: प्रदेश के 27931 प्राइमरी स्कूलों में 50 से कम छात्र

एक दर्जन कंपोजिट विद्यालयों में एक भी बच्चा नहीं

लखनऊ,संवाददाता। यूपी के प्राइमरी स्कूलों की हालत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कि यहां ढाई हजार से ऊपर स्कूलों में 50 से कम बच्चे हैं। परिषदीय विद्यालयों में नामांकन की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग के यू–डायस पोर्टल पर उपलब्ध डाटा के अनुसार 27931 विद्यालयों में 50 से भी कम छात्रों का नामांकन है। सबसे खराब स्थिति कंपोजिट विद्यालयों की है। एक दर्जन कंपोजिट विद्यालयों में एक भी नामांकन नहीं है, जबकि एक दर्जन में एक–दो ही छात्र हैं।

सत्र 2023–24 को लेकर सूचना अपलोड करने की प्रक्रिया आखिरी चरण में है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने सभी बीएसए को पत्र जारी कर कहा है कि स्थिति काफी खेदजनक है। बीएसए 50 से कम छात्र होने के कारणों की समीक्षा करें। साथ ही इसका स्पष्टीकरण 20 जून तक उपलब्ध कराएं। ऐसा न करने पर कार्यवाही की जाएगी।

गमह्न के कारण विद्यालय 30 जून के बाद खोलने की मांग

प्रदेश में परिषदीय विद्यालय गर्मी की छुट्टियों के बाद 18 जून को खुल रहे हैं। वहीं पूरे प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। इसे देखते हुए बच्चों के स्वास्थ्य का हवाला देते हुए शिक्षक संगठनों ने गर्मी की छुट्टियां 30 जून तक बढ़ाने की मांग की है।

प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष विनय कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री व प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा को भेजे पत्र में कहा है कि पूरा प्रदेश भीषण गर्मी व लू से तप रहा है। ऐसे में विद्यालयों को 18 जून से खोलना हितकर नहीं होगा। वहीं शिक्षकों की परस्पर तबादले की प्रक्रिया भी चल रही है। इसे देखते हुए परिषदीय विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियां 30 जून तक की जाएं। वहीं उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा को भेजे पत्र में कहा है कि वर्तमान में प्रदेश भर में भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे में प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों का ग्रीष्मकालीन अवकाश 30 जून तक बढ़ाया जाए।

यूपी पुलिस के भ्रष्ट कईमयों पर सबसे बड़ी कार्रवाई

आगरा,संवाददाता। यूपी पुलिस के दागी पुलिसकर्मियों पर बड़ी कार्रवाई शुरू हो गई है। आगरा में दो दिन के अंदर 12 दरोगा, छह मुंशी सहित 56 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। भ्रष्टाचार के आरोप में आगरा कमिश्नरेट में ये अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। आगरा में भ्रष्ट और लापरवाह पुलिस कर्मियों पर बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी कार्रवाई का चाबुक चला। पूर्वी और पश्चिमी जोन में पांच दरोगा सहित 25 पुलिस कर्मियों को निलंबित किया गया है। दो दिन में 55 पुलिस कर्मियों पर निलंबन की गाज गिर चुकी है।

पुलिस कमिश्नर जे रविन्दर गौड ने भ्रष्टाचार में लिप्त पुलिस कर्मियों के विरुद्ध सख्त रुख अख्तियार किया है। तीनो जोन के डीसीपी को सूची बनाकर निलंबन के आदेश दिए थे। बृहस्पतिवार को डीसीपी पूर्वी अतुल कुमार शर्मा ने शमसाबाद में तैनात प्रशिक्षु महिला दरोगा मिनाली चौधरी और डोकी में तैनात मुख्य आरक्षी सुबोध कुमार को निलंबित किया है। दोनों पर पासपोर्ट सत्यापन में अवैध वसूली के आरोप थे। जांच कराई तो आवेदकों ने वसूली की पुष्टि की। जिसके बाद कार्रवाई की गई। डीसीपी सिटी पश्चिमी सोनम कुमार ने पांच दरोगा, एक कम्प्यूटर आपरेटर और उर्दू अनुवादक सहित 25 पुलिस कर्मियों को निलंबित किया है। इनके विरुद्ध कार्य में लापरवाही और उच्च अधिकारियों के आदेशों की अवेहलना के आरोप थे। पुलिस कमिश्नर जे रविन्दर गौड के अनुसार अनैतिक गतिविधियों में लिप्त अन्य पुलिस कर्मियों की सूची भी तैयार कराई जा रही है।

हार पर भाजपा में रार: हारे उम्मीदवारों ने बंद लिफाफे में सबूत समेत बताई वजह, इन जातियों ने बनाई चुनाव से दूरी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार पर रार जारी है। हारे उम्मीदवारों ने विधायकों और कार्यकर्ताओं पर ठीकरा फोड़ा है। प्रदेश भाजपा संगठन ने हार की समीक्षा शुरू कर दी है। अवध क्षेत्र के हारे उम्मीदवारों के साथ पहली बैठक हुई। लोकसभा चुनाव में भाजपा के हारे हुए प्रत्याशियों ने अब खुद के खिलाफ विरोधी लहर होने की वजह से हुई हार का ठीकरा विधायकों और कार्यकर्ताओं पर फोड़ना शुरू कर दिया है। वहीं, पार्टी के प्रदेश संगठन ने क्षेत्रवार भाजपा की हार की समीक्षा शुरू कर दी है।

इसी कड़ी में बृहस्पतिवार को अवध क्षेत्र के हारे हुए प्रत्याशियों को बुलाकर हार के कारणों की जानकारी जुटाई गई। अधिकांश प्रत्याशियों ने संसदीय क्षेत्र के विधायकों और पार्टी कार्यकर्ताओं पर भितरघात करने के साथ ही विपक्ष के आरक्षण खत्म करने और संविधान बदलने के मुद्दे को भी हार की वजह बताई है।

प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने अवध क्षेत्र की एक–एक सीट पर हार की समीक्षा की। इसमें से बाराबंकी की प्रत्याशी रही राजरानी रावत नहीं पहुंची थी, जबकि श्रावस्ती, सीतापुर, खीरी, लखीमपुर, रायबरेली, फैजाबाद, अंबेडकरनगर, मोहनलालगंज से चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी मुख्यालय पहुंचे थे। बता दें कि इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा 29 सीटें हार गई, इनमें मौजूदा 26 सांसद शामिल हैं। चुनाव परिणाम आने के बाद हारे हुए उम्मीदवारों ने प्रदेश भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से अपने ही लोगों के भितरघात करने की शिकायत की थी। इस पर इन लोगों से लिखित शिकायत मांगी गई थी।

सूत्रों का कहना है कि प्रदेश मुख्यालय पहुंचे कुछ उम्मीदवारों ने बंद लिफाफे में सबूत समेत हार की वजहें बताई हैं। कई उम्मीदवारों ने यह भी बताया है विपक्ष द्वारा प्रचारित किए गए आरक्षण खत्म करने और संविधान बदलने के मुद्दे से नाराज दलित के साथ ही भाजपा को कोर वोटर रहे गैर यादव पिछड़ी जातियों ने भी भाजपा को वोट नहीं दिया। खास तौर कुर्मी, राजभर, शाक्य, पासी और मौर्या जैसी भाजपा समर्थक जातियों ने इस चुनाव में दूरी बना ली थी।

वोटर निकालने में कार्यकर्ता नहीं जुटे

कई उम्मीदवारों ने अपनी हार की ठीकरा स्थानीय कार्यकर्ताओं पर भी फोड़ा। उनका कहना था, पन्ना प्रमुख और बूथ कमेटियों ने उस तरह से काम नहीं किया। सिर्फ कागजों पर ही कार्यक्रम चलाए गए। जिनके कंधों पर मतदाताओं को बूथ तक पहुंचाने की जिम्मेदारी थी, वह खुद नहीं निकले। उधर, इसी कड़ी में शुक्रवार को कानपुर क्षेत्र के हारे हुए उम्मीदवारों के साथ बैठक होगी ।

दर्दनाक हादसे में पांच की मौत

सोनभद्र में सवारियों से भरी आटो ट्रक से टकराई, मची चीख–पुकार, छह लोग घायल

सोनभद्र,संवाददाता। सभी लोग एक ही टेम्पो में सवार होकर सिलियाटोंगर गांव से गुजरात के जामनगर जाने के लिए आटो में सवार होकर निकले थे। उन सभी को नगर ऊंटारी रेलवे स्टेशन से शक्तिपुंज एक्सप्रेस पकड़ना था। इस दौरान जतपुरा गांव के समीप सामने से आ रहे ट्रक ने आटो में टक्कर मार दिया। इससे आटो पलट कर पुल के नीचे चला गया। सोनभद्र के विंढमगंज थाना क्षेत्र से लगे 14 किलोमीटर दूर झारखंड राज्य के गढ़वा जिले में गुरुवार की रात भीषण सड़क हादसा हुआ। सवारियों से भरी ऑटो विपरीत दिशा से आ रही ट्रक में भीड़ गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। अन्य छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना एनएच 75 पर गढ़वा–मुड़ीसेमर के बीच श्री बंशीधर नगर थाना क्षेत्र के पाल्हे गांव के समीप हुआ। मृतकों में विंढमगंज थाना क्षेत्र के महुली गांव के केशनाथ के पुत्र बिमलेश कुमार कनौजिया (42), झारखण्ड के रमना थाना क्षेत्र के सिलियाटोंगर गांव के सुरेश भुइयां के पुत्र अरुण (30), रमाशंकर भुइयां के पुत्र बिकेश (20), विनोद भुइयां के पुत्र राजा कुमार (21) एवं रामवृक्ष भुइयां के पुत्र राजकुमार (53) वर्ष शामिल हैं। वहीं, घायलों में रमना थाना क्षेत्र के सिलियाटोंगर गांव के राम प्रसाद राम के पुत्र मिथिलेश, विढमगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत महुली गांव के रामचन्द्र भुइयां के पुत्र छोटूलाल, रमना थाना क्षेत्र के सिलियाटोंगर गांव के महावीर भुइयां के पुत्र उमेश, रामप्रसाद भुइयां के पुत्र राकेश, रहमुदिन अंसारी के पुत्र मेराज एवं रामचंद्र भुइयां के पुत्र संजय शामिल हैं। सभी घायलों का सदर अस्पताल गढवा झारखंड में इलाज चल रहा है। घटना स्थल के आसपास के लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत बोले– समाज में संघ की सकारात्मक छवि बनाने की जिम्मेदारी स्वयंसेवकों की

गोरखपुर,संवाददाता। संघ प्रमुख ने कहा कि संघ का हर कार्यकर्ता समाज में अपनी भूमिका को अदा करे। समाज में बेहतरी की तरफ बदलाव हो यह हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की समाजसेवा को लेकर समाज में जो बेहतर छवि बनी है, उसमें निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। संघ का विस्तार करने के लिए स्वयं सेवक अपनी भूमिका का विस्तार करें। संघ की समाज में सकारात्मक छवि बने इसकी जिम्मेदारी सभी स्वयंसेवकों की है। ये बातें राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को मानीराम, चिऊटहां स्थित एसवीएम पब्लिक स्कूल में चल रहे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ता विकास वर्ग के बौद्धिक सत्र को संबोधित करते हुए कहीं। तीन जून से चल रहे संघ के द्वितीय प्रशिक्षण वर्ग में आए प्रशिक्षणार्थियों से संघ प्रमुख ने संवाद भी किया। संघ प्रमुख ने कहा कि संघ का हर कार्यकर्ता समाज में अपनी भूमिका को अदा करे। समाज में बेहतरी की तरफ बदलाव हो यह हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है।

संघ ने लंबे सफर में बहुत सी चुनौतियों का किया सामना

संघ प्रमुख ने कहा कि संघ की स्थापना को 100 वर्ष पूरे होने वाले हैं। इस लंबे सफर में संघ ने कई चुनौतियों का सामना करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों की बेहतरी के लिए काम किये हैं। इस छवि और काम की पहचान को आगे बढ़ाते हुए निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संघ समाज में सेवा, संपर्क और प्रचार के माध्यम से लगातार सभी वर्गों के बीच राष्ट्रीय विचारों का आदान–प्रदान कर रहा है। संघ प्रमुख ने कहा कि संघ के शिविरों में जो लोग प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं वह समाज के लिए कैसे उपयोगी हों, इसकी चिंता हमें करनी होगी। समाज में विभिन्न चुनौतियों का संघ ने सामना किया है। सकारात्मक छवि बनाने के लिए हमें समाज हित में निरंतर कार्य करना होगा। प्रशिक्षणार्थियों को संघ कार्य के लिए अधिक से अधिक समय देने की बात कही।

संघ प्रमुख की मौजूदगी में आज होगा पथ संचलन

संघ प्रमुख मोहन भागवत की मौजूदगी में कार्यकर्ता विकास वर्ग कार्यक्रम में शुक्रवार को प्रतिभागी पथ संचलन करेंगे। इसके बाद संघ प्रमुख कार्यकर्ताओं की बात सुनेंगे और उनकी जिज्ञासा को शांत करेंगे।

संजीव सेहरावत ने भेजा 10 करोड़ मानहानि का नोटिस

मेरठ,संवाददाता। भाजपा नेता संगीत सोम और संजीव बालियान के बीच चल रही जुबानी जंग तूल पकड़ती जा रही है। भाजपा नेता संगीत सोम की प्रेस वार्ता में संजीव बालियान पर लगे आरोपों के प्रेस नोट बांटे जाने को लेकर भाजपा नेता की फजीहत होती दिख रही है। जेड श्रेणी की सुरक्षा से लैस पूर्व विधायक संगीत सोम की प्रेस कांफ्रेंस में उनके ही आवास पर पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान के खिलाफ पर्चे बंट गए। इस मामले में संगीत सोम की तरफ से लालकुर्ती थाने में तहरीर देकर पर्चे बांटने वाले के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के लिए कहा गया है। वहीं, पुलिस सारे बिंदुओं पर जांच कर रही है कि आखिर इतनी सिक्योरिटी के बावजूद कोई बाहरी उनके घर में घुसकर कैसे पर्चे बांट गया। सारे घर में सीसीटीवी लगे हैं, प्रेस कांफ्रेंस वाले कमरे में सीसीटीवी नहीं है। इन तमाम बिंदुओं पर जांच के बाद ही पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। पर्चे में हरियाणा के संजीव सहरावत उर्फ संजीव खरडू द्वारा बालियान को आस्ट्रेलिया में जमीन दिलाने के आरोप लगाए गए थे। मामले में संजीव के अधिवक्ता की ओर से संगीत सोम को 10 करोड़ रुपये की मानहानि का नोटिस दिया गया है।

दरअसल, मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट से चुनाव हारने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने प्रेस कांफ्रेंस बुलाई थी। इसके जवाब में संगीत सोम ने मंगलवार को अपने आवास पर दोपहर एक बजे प्रेस कांफ्रेंस बुलाई। उन्होंने कहा था कि मेरे ऐसे संस्कार नहीं कि मैं जयचंद बनूं। उन्होंने बताया था कि सरधना में बालियान को बराबर वोट मिले हैं। मुजफ्फरनगर की चरथावल और बुढ़ाना सीट पर हार हुई है।

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान संजीव बालियान के खिलाफ पर्चे बांटे गए थे। इस मामले में नया मोड़ आ गया है। लालकुर्ती थाने में संगीत सोम की तरफ से शिकायत की गई है कि उनके घर पर विपक्षी द्वारा पर्चे बंटवा दिए गए।

मामले में पुलिस ने जांच बैठा दी है। पुलिस ने जांच बिंदु बनाए हैं कि जेड श्रेणी सुरक्षा में संगीत सोम के घर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कौन पर्चे बांटकर गया। सीसीटीवी की फुटेज चेक की जाएगी। पुलिस का कहना है कि ये सब जांच का विषय है, जो भी सच सामने आएगा उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

मैंने लालकुर्ती पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने के लिए कहा है। जिसने पर्चे बांटे, वह सबके सामने आना चाहिए। सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। – संगीत सोम, पूर्व विधायक सरधना कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है। जो भी सामने आएगा, उसके मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। –रोहित सिंह सजवाण, एसएसपी पूर्व विधायक की शिकायत पर एसएसपी जांच करा रहे हैं। जांच के आधार पर कार्रवाई होगी। –डीके ठाकुर, एडीजी

तकरार

संजीव के अधिवक्ता ने भेजा सोम को नोटिस

पर्चे में संजीव बालियान पर 20 गंभीर आरोप लगाए गए थे। इनमें एक आरोप यह भी था कि डॉ. बालियान के मित्र संजीव सहरावत उर्फ संजीव खरडू निवासी हरियाणा आस्ट्रेलिया में रहने लगे हैं। बालियान ने वर्ष 2014 में मंत्री बनने के बाद पहला स्थाई पास संजीव खरडू को ही दिलाया था। विश्वनीय जानकारी के अनुसार संजीव खरडू ने ही आस्ट्रेलिया में पूर्व मंत्री डॉ. संजीव बालियान को जमीन दिलाई, जिस सौदे में यही संजीव खरडू गवाह भी है। इस मामले में संजीव खरडू के अधिवक्ता सहदेव बेनीवाल ने संगीत सोम को 10 करोड़ रुपये की मानहानि का नोटिस भेजा है। अधिवक्ता ने कहा है कि संजीव खरडू को डॉ. बालियान द्वारा न तो पास दिलाया गया। न ही संजीव ने आस्ट्रेलिया में संजीव बालियान को कोई जमीन दिलाई। ऐसे में आपने जान बूझकर छवि खराब करने के इरादे से झूठे आरोप लगाए हैं।

महिला से रुपये मांगने पर कैंपियरगंज के दरोगा निलंबित– एसएसपी पहले भी कर चुके हैं कार्रवा

गोरखपुर,संवाददाता। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर ने कैंपियरगंज थाने में तैनात उपनिरीक्षक विकास मिश्रा को निलंबित कर दिया। आरोप है कि दारोगा ने केस दर्ज करने के बदले एक महिला से रुपये की मांग की थी। शिकायत मिलने पर एसएसपी ने एएसपी आलोक भाटी से पूरे मामले की जांच कराई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर ने कैंपियरगंज थाने में तैनात उपनिरीक्षक विकास मिश्रा को निलंबित कर दिया। आरोप है कि दारोगा ने केस दर्ज करने के बदले एक महिला से रुपये की मांग की थी। शिकायत मिलने पर एसएसपी ने एएसपी आलोक भाटी से पूरे मामले की जांच कराई।

रिपोर्ट मिलने के बाद बुधवार को एसएसपी ने कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही, स्वेच्छाचारिता और अनुशासनहीनता बरतने के आरोप में कार्रवाई करते हुए विभागीय जांच के निर्देश दिये हैं। कैंपियरगंज थाना क्षेत्र के भौराबारी की रहने वाली सुनीता ने थाने पहुंचकर एक युवक के विरुद्ध तहरीर दी थी। बताया था कि एम्स में नौकरी लगाने के बदले युवक ने उससे तीन लाख रुपये ले लिये। नौकरी नहीं मिलने पर जब उससे रुपये वापस मांगे तो वह टालमटोल करने लगा।

इस मामले की विवेचना दारोगा विकास मिश्रा को दी गई। जांच करते हुए दारोगा ने पीड़िता और आरोपित दोनों को थाने बुलाकर पूछताछ की। आरोपित पक्ष ने बताया कि उसके द्वारा कोई रुपये नहीं लिए गये हैं। जबकि उसने ही महिला को 25 हजार रुपये दिये हैं। एसएसपी ने बताया कि जांच रिपोर्ट में महिला के आरोपों की पुष्टि के बाद दारोगा को निलंबित कर दिया गया है।

बड़हलगंज में दारोगा पर पिटाई का आरोप

बड़हलगंज के रवि सोनकर ने थाने के एक दारोगा पर पिटाई का आरोप लगाया है। मंगलवार को एसएसपी कार्यालय पहुंचकर रवि ने बताया कि आठ जून को अपने दोस्त के साथ कहासुनी के विवाद में बड़हलगंज थाने में गया था। जहां एक दारोगा दोनों पक्षों से बातचीत करने के बाद सुलहनामा लिखवा रहे थे। इसी बीच थाने में पहुंचे दूसरे दारोगा ने सुलहनामा करने से रोक दिया। रवि ने आरोप लगाया कि मुझे अंदर ले गये और मां–बहन की गाली देते हुए थप्पड़ मारने लगे। पीड़ित की शिकायत के बाद एसएसपी ने जांच के निर्देश दिये हैं।

दो बाइकों की भिड़ंत में संविदा लाइनमैन समेत दो की मौत– ये सुरक्षा अपनाते

देवरिया,संवाददाता। रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के गौर कोठी गांव के सिंगहा टोला निवासी राधे कुमार (28) पुत्र बिहारी प्रसाद पथरदेवा बिजली घर पर संविदा लाइनमैन थे। बुधवार को रात्रि 9:30 बजे के करीब पथरदेवा बिजली घर की मेन सप्लाई में फाल्ट चेक करने वह बाइक से पथरदेवा के लिए निकले थे। तरकुलवा थाना क्षेत्र के पथरदेवा–धुसवां रोड पर बुधवार की रात में तेज रफ्तार दो बाइकों की आमने–सामने भिड़ंत हो गई। इसमें एक संविदा लाइनमैन समेत दो युवकों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज देवरिया भेज दिया। हादसे के समय बाइक चालक हेलमेट नहीं लगाए थे। इस खबर से मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया।रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के गौर कोठी गांव के सिंगहा टोला निवासी राधे कुमार (28) पुत्र बिहारी प्रसाद पथरदेवा बिजली घर पर संविदा लाइनमैन थे। बुधवार को रात्रि 9:30 बजे के करीब पथरदेवा बिजली घर की मेन सप्लाई में फाल्ट चेक करने वह बाइक से पथरदेवा के लिए निकले थे।

अभी वह अपने गांव के बाहर मेन सड़क पर डोमा चौराहे पर पहुंचे थे कि सामने से तेज रफ्तार से बाइक से आ रहे छितौनी गांव निवासी लालू गोंड (36) पुत्र स्व. राम शरण से आमने–सामने भिड़ंत हो गई। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि लालू गोंड की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि संविदा लाइनमैन राधे गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोग उसे देवरिया मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां हालत गंभीर देख डाक्टरों ने बाबा राघवदास मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान भोर में उसने दम तोड़ दिया।

हादसे के समय हेलमेट नहीं लगाए थे बाइक चालक

पथरदेवा–धुसवा मार्ग पर बुधवार की रात में हुए सड़क हादसे में दो बाइक चालकों की दर्दनाक मौत की चर्चा क्षेत्रीय लोगों की जुबान पर तैर रही है। लोग इस घटना को बेहद दुःखद बताते हुए बाइक चालकों द्वारा हेलमेट नहीं लगाने पर अफसोस जता रहे थे। क्षेत्रीय लोगों का यह कहना था कि यदि बाइक चालक हेलमेट लगाए होते तो शायद दोनों की जान नहीं जाती।

तप रहा पूरा पूर्वांचल

अलर्ट जारी–पूरा पूर्वांचल गमी के चपेट में

वाराणसी–जौनपुर में आरेंज अलर्ट

वाराणसी ,संवाददाता। वाराणसी व आसपास के जिलों समेत पूरा पूर्वांचल गर्मी के चपेट में है। भीषण गर्मी के बीच अस्पतालों में ओपीडी में मरीजों की कतार लगी है। वहीं मौसम विभाग की मानें तो कुछ दिनों तक मौसम का यही हाल रहने वाला है। वाराणसी समेत पूरे पूर्वांचल में मौसम का तेवर दिन–प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। तीन दिन से लगातार तीखी धूप हो रही है। दिन में गर्म हवाओं ने लोगों की बेचैनी बढ़ा दी है। वहीं, रात को भी राहत नहीं मिल पा रही है। गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। गुरुवार की सुबह से ही तीखी धूप निकल आई। गर्मी के चलते सुबह सात बजे ही लोगों के पसीने छूटने लगे। घर से बाहन निकलना मुश्किल हो रहा था। दिन चढ़ने के साथ ही पारा भी चढ़ता गया। दोपहर होते ही पारा 44 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इन जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट मौसम विभाग लखनऊ ने वाराणसी, जौनपुर में मौसम का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसमें ताप लहरी चलने के आसार हैं। साथ ही सोनभद्र, चंदौली, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में भी लू चलने के आसार हैं।

विशेषज्ञ बोले उधर, बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि फिलहाल 16 जून तक ऐसा ही मौसम रहेगा। 17 जून से तेज हवा संग बादलों की आवाजाही और बूंदाबांदी के आसार हैं।

बनारस प्रदेश में तीसरा सबसे गर्म शहर

मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को बनारस प्रदेश का तीसरा सबसे गर्म शहर रहा। कानपुर 47.5 डिग्री सेल्सियस के साथ पहले जबकि प्रयागराज 47.0 डिग्री के साथ दूसरे नंबर पर दर्ज किया गया।

ऐसा रहा बुधवार का मौसम

बुधवार को सुबह से ही धूप अन्य दिनों की तुलना में ज्यादा तेज रही। दोपहर में आसमान से आग बरस मालूम हुई। शाम को भी खास राहत नहीं मिली। बुधवार को अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री सेल्सियस औसत से 6.1 डिग्री ज्यादा रहा। इसके अलावा न्यूनतम तापमान भी 29.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

जेल से रिहाई

आजाद हुआ अमेरिकी बंदी, बोला– 'गुड बाय गोरखपुर'

गोरखपुर। अमेरिकी बंदी गोरखपुर जेल में करीब डेढ़ साल तक रहा। इस दौरान उसने यहां के बंदियों को अंग्रेजी बोलना सिखाया और खुद हिंदी बोलने की कला सीखी। इतने दिनों में वह भोजपुरी और हिंदी दोनों ही भाषा के कुछ शब्दों को बोलना सीख गया और उनके अर्थ भी समझने लगा। वीजा में फर्जीवाड़ा करने के आरोप में नेपाल बॉर्डर से पकड़ा गया अमेरिकी बंदी स्कॉट बायड क्नोक्स (60) बुधवार को जिला कारागार से रिहा हो गया। जाते समय उसने हाथ जोड़कर सभी को नमस्ते किया, इसके बाद हाथ हिलाकर गुड बाय गोरखपुर बोलते हुए रवाना हो गया। एसपी महराजगंज की ओर से गठित पुलिस टीम औपचारिकता पूरी कर दोपहर 12 बजे उसे साथ लेकर गई। एग्जिट कॉर्ड आने तक स्कॉट बायड महराजगंज में ही पुलिस की देखरेख में रहेगा। एग्जिट कार्ड आने पर पुलिस टीम उसे दिल्ली लेकर जाएगी। वहां अमेरिकी दूतावास की मदद से उसे उसके घर भेजा जाएगा। अभी कुछ दिन पहले ही अमेरिकी नागरिक के दोस्त ने कोर्ट में जुर्माने की रकम 90 हजार जमा कराई है। इसके अभाव में अमेरिकी बंदी को छह माह अतिरिक्त सजा काटनी पड़ती।

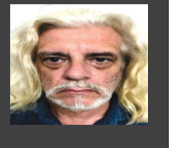

जेलर अरुण कुमार ने बताया कि महराजगंज जेल में स्कॉट बायड ने कमर में दर्द होने की शिकायत की थी। इलाज के लिए उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया था। बेहतर उपचार के लिए हाईकोर्ट के आदेश पर पांच फरवरी 2023 को स्कॉट बायड को महराजगंज से गोरखपुर जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। उसे गोरखपुर जेल के अस्पताल में रखा गया था।

बॉर्डर पर 15 जून को पकड़ा गया था स्काट

स्कॉट बायड 26 जून 2015 को भारत आया था। वर्ष 2016 में वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी उसने देश नहीं छोड़ा। तीन जून 2022 को बिहार की रक्सौल सीमा से स्कॉट ने नेपाल जाने का प्रयास किया, लेकिन लौटा दिया गया। 15 जून, 2022 की शाम वह सोनौली सीमा पर पहुंचा। अधिकारियों को पासपोर्ट दिखाया, जिस पर छह जून, 2022 को मुंबई पहुंचने की मुहर लगी थी। संदेह होने पर इमिग्रेशन के अधिकारियों ने छानबीन की तो स्कॉट की जालसाजी का भंडाफोड़ हो गया। इमिग्रेशन अधिकारी की तहरीर पर केस दर्ज कर महराजगंज जिले की सोनौली थाना पुलिस ने उसे जेल भिजवा दिया था।

जेल में अंग्रेजी सिखाई, हिन्दी सीखी

अमेरिकी बंदी गोरखपुर जेल में करीब डेढ़ साल तक रहा। इस दौरान उसने यहां के बंदियों को अंग्रेजी बोलना सिखाया और खुद हिंदी बोलने की कला सीखी। इतने दिनों में वह भोजपुरी और हिंदी दोनों ही भाषा के कुछ शब्दों को बोलना सीख गया और उनके अर्थ भी समझने लगा।

अब जेल में हैं दो विदेशी बंदी

जिला कारागार में अब दो विदेशी वर्तमान में बंद हैं। स्कॉट बायड के जाने के बाद अब जेल में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बंदी हैं। उन्हें हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा गया है।

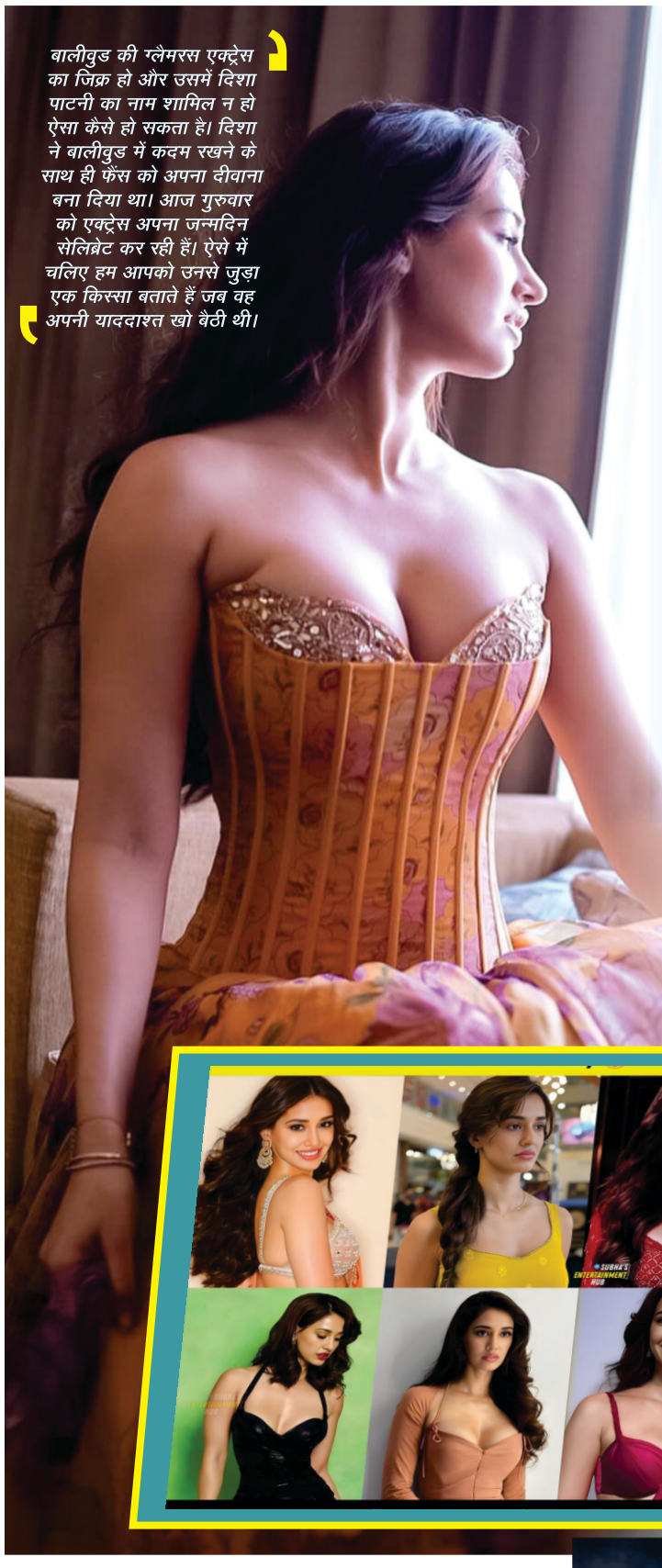

बालीवुड की ग्लैमरस एक्ट्रेस का जिक्र हो और उसमें दिशा पाटनी का नाम शामिल न हो ऐसा कैसे हो सकता है। दिशा ने बालीवुड में कदम रखने के साथ ही फैंस को अपना दीवाना बना दिया था। आज गुरुवार को एक्ट्रेस अपना जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। ऐसे में चलिए हम आपको उनसे जुड़ा एक किस्सा बताते हैं जब वह अपनी याददाश्त खो बैठी थी।

एक गलती और 6 महीने के लिए खुद को भूल गई थी

दिशा पाटनी

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। साल 2016 में रिलीज हुई 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली दिशा पाटनी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी पहली फिल्म से ही लोगों के दिलों में अपनी जगह बना ली थी। इसके बाद उन्होंने कई मूवीज में काम किया, जिसमें से कुछ हिट हुई और कुछ फ्लॉप। हालांकि, दिशा सिर्फ फिल्मों के वजह से ही चर्चा में नहीं रहती, बल्कि वह अपनी बोल्डनेस की वजह से भी लाइमलाइट का हिस्सा बनी रहती हैं। आज 13 जून को एक्ट्रेस अपना 32वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं हम उनकी लाइफ से जुड़े कई किस्से।

पायलट बनना था दिशा का सपना

दिशा पाटनी के सोशल मीडिया पर आज लाखों फॉलोअर्स हैं। फैंस उनकी एक–एक पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि दिशा कभी एक्टिंग फील्ड में आना ही नहीं चाहती थीं, बल्कि वह तो एयर फॉर्स पायलट बनना चाहती थीं। इस बात का खुलासा एक्ट्रेस ने खुद किया था।

दिशा ने एक बार बाजार इंडिया को दिए इंटरव्यू में बताया था कि वह इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थीं और उसी दौरान उनके एक दोस्त ने उन्हें मॉडलिंग कॉम्पटीशन के बारे में बताया, जो जीते हुए कंटेस्टेंट को मुंबई ले जाएंगे। ऐसे में एक्ट्रेस ने कहा की उस समय मुंबई कौन नहीं जाना चाहता था। मैंने अप्लाई कर दिया और जीत गई। वह मैं एक एजेंसी से मिली और वही से मेरी जर्नी शुरू हो गई।

कुछ महीनों के लिए चली गई थी मेमोरी

मिड डे के साथ बात करते हुए एक्ट्रेस ने एक बार अपने बारे में शॉकिंग खुलासा किया था। एक्ट्रेस ने बताया था कि वह बजरी से भरे फर्श पर जिमनास्टिक्स की ट्रेनिंग करते हुए सिर के बल गिर गई थीं और उस दौरान उन्हें काफी चोट लगी थी। ये चोट इतनी गंभीर थी कि 6 महीनों के लिए वो अपनी याददाश्त तक खो बैठी थीं।

इन फिल्मों में नजर आ चुकी हैं दिशा

सुशांत सिंह राजपूत के साथ डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस दिशा पाटनी 'कुंग फू योगा', 'वेलकम टू द न्यूयोर्क', 'बागी 2', 'भारत', 'मलंग', 'राधे', 'एक विलेन रिटर्न्स', 'योद्धा' समेत कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

मुम्बई,एजेंसी। अजय देवगन और तब्बू की शानदार जोड़ी कई फिल्मों में साथ नजर आ चुकी हैं, जिसके बाद दोनों अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं, जिसको लेकर दोनों के फैंस काफी एक्साइटेड हैं. हाल ही में उनकी अपकमिंग फिल्म 'औरों में कहां दम था' का ट्रेलर जारी हुआ है, जिसको बेहद पसंद किया जा रहा है. वहीं, फिल्म के ट्रेलर लॉन्च की तस्वीरें भी सामने आ चुकी हैं, जिनमें सभी ने अपने दमदार लुक से फैंस का दिल जीत लिया. चलिए नजर डालते हैं सभी के लुक पर.

'औरों में कहां दम था' का ट्रेलर लान्च

काफी लंबे समय से अजय देवगन और तब्बू अपनी अपकमिंग फिल्म 'औरों में कहां दम था' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं, जिसका आज दमदार ट्रेलर जारी किया गया है. ट्रेलर उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा है, जिसके फैंस बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताबी से इंतजार कर रहे हैं. हाल ही में सोशल मीडिया पर ट्रेलर लॉन्च की कुछ शानदार तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जहां फिल्म की पूरी स्टार कास्ट एक साथ नजर आई. सभी ने स्टाइल से फैंस को खूब इंप्रेस किया.

अजय देवगन और तब्बू

'दृश्यम 2' के बाद अजय देवगन और तब्बू की जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आने वाली हैं, जिसको लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं. दोनों जल्द ही नीरज पांडे के निर्देशन में बनी फिल्म 'औरों में कहां दम था' में नजर आने वाले हैं. हाल ही में दोनों फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर नजर आए. इस दौरान दोनों ने अपनी शानदार जोड़ी से फैंस का खूब ध्यान खींचा. फैंस को दोनों की जोड़ी साथ में काफी पसंद की जा रही है. अपनी अपकमिंग फिल्म 'औरों में कहां दम था' के ट्रेलर लॉन्च पर तब्बू ने अपने लुक से फैंस का दिल खुश कर दिया. इस खास मौके पर एक्ट्रेस पीले संग के प्लाजो सूट में नजर आईं. साथ ही वो मिनिमम मेकअप के साथ खुले बालों में नजर आ रही हैं. साथ ही एक्ट्रेस के चेहरे पर प्यारी सी स्माइल नजर आ रही है. तब्बू के इस शानदार लुक के फैंस दीवाने हुए जा रहे हैं. इस दौरान उन्होंने पैप्स को खूब सारे पोज भी दिए.

'मैदान' के बाद अजय देवगन अब फिल्म 'औरों में कहां दम था' को लेकर सुर्खियों में छा गए हैं. हाल में एक्टर भी अपनी फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर काफी स्टाइलिश लुक में नजर आए. उन्होंने भी अपने लुक से फैंस को खूब इंप्रेस किया. इस दौरान एक्टर ब्लैक शर्ट और पैंट में नजर आ रहे हैं. साथ ही उन्होंने अपनी को–स्टार तब्बू और बाकी की स्टारकास्ट के साथ भी पैप्स को खूब सारे पोज दिए. उनकी तस्वीरों को खूब पसंद किया जा रहा है।

बिजनेसवुमन बनीं 'कच्चा बादाम गर्ल', फैन्स को दी गुड न्यूज, बोलीं- एक ख्वाब...

इसके साथ उन्होंने हार्ट और नजर वाली इमोजी भी बनाई. अंजलि की पोस्ट बता रही है कि उन्होंने यहां तक पहुंचने के लिए काफी मेहनत की है.

इन बायोपिक फिल्मों ने दिखाया कमाल

मुम्बई। कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन की चर्चा इन दिनों हर ओर हो रही है। इस फिल्म के लिए उन्होंने रात–दिन कड़ी मेहनत की है, जो फिल्म के ट्रेलर और गानों में साफ नजर आता है। फिल्म पैरालंपिक में पहला स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है। इस फिल्म को लेकर दर्शक काफी ज्यादा उत्साहित नजर आ रहे हैं। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि रिलीज के बाद भी यह फिल्म दर्शकों के गहरा प्रभाव डालेगी। आज हम आपको कुछ ऐसी ही बायोपिक फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो लोगों के दिलों को छूने में कामयाब रहीं। भाग मिल्खा भाग में फरहान अख्तर मुख्य भूमिका में नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने किया था। साल 2013 में रिलीज में यह फिल्म फ्लाइंग जट्ट के नाम से मशहूर मिल्खा सिंह के जीवन पर बनी थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी। एमएस धोनी– द अनटोल्ड स्टोरी में सुशांत सिंह राजपूत मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर बनी थी। इस फिल्म का निर्देशन नीरज पांडे ने किया था। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म भले ही औसत प्रदर्शन कर सकी, लेकिन दर्शकों के दिलों में यह फिल्म अपनी जगह बनाने में कामयाब रही थी। ओटीटी और छोटे पर्दे पर इस फिल्म को लोगों का भरपूर प्यार मिला था।

फिल्म नीरजा साल 2016 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में सोनम कपूर और शबाना आजमी मुख्य भूमिकाओं में नजर आई थीं। इसका निर्देशन राम माधवानी ने किया था। फिल्म नीरजा भनोट के जीवन पर बनी थी। दर्शकों को फिल्म ने खूब सराहा था। साथ ही, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म हिट भी साबित हुई थी।

पाकिस्तान के विश्व कप से बाहर होने पर फूटा दिग्गजों का गुस्सा,

लगाई बाबर की टीम को फटकार

स्पोर्ट्स डेस्क। पाकिस्तान की टीम को दोहरा झटका लगा है। पहले तो वह सुपर–8 की दौड़ से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा दो साल बाद यानी भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए उनका डॉयरेक्ट क्वालिफाई करना मुश्किल हो गया है। पाकिस्तान की टीम टी20 विश्व कप 2024 से शुक्रवार को बाहर हो गई। वहीं, पहली बार टूर्नामेंटमें खेलने उतरी सह मेजबान अमेरिका ने इतिहास रचते हुए सुपर–8 के लिए क्वालिफाई कर लिया है। बाबर आजम की टीम के शर्मनाक प्रदर्शन पर पाकिस्तानी क्रिकेटर्स का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी भड़ास निकाली।

अमेरिका ने पाकिस्तान की उम्मीदों पर फेरा पानी

अमेरिका और आयरलैंड के बीच फ्लोरिडा में खेला जाने वाला मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। अमेरिका को मैच रद्द होने से जहां फायदा हुआ और ग्रुप–ए से भारत के बाद वह सुपर आठ में जगह बनाने वाली दूसरी टीम बन गई। वहीं, इसका सबसे ज्यादा प्रभाव 2009 की चैंपियन टीम पाकिस्तान पर पड़ा जिसका सफर ग्रुप चरण में ही थम गया। पाकिस्तान के लिए यह काफी निराशाजनक है क्योंकि टीम 2022 की उपविजेता रही थी। इतना ही नहीं उसके नाम पुरुष टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा बार सेमीफाइनल में पहुंचने का रिकॉर्ड भी दर्ज है।

अमेरिका और भारत से मिली करारी हार

पाकिस्तान ने मौजूदा टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के खिलाफ मैच से करी थी। इस मुकाबले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। सुपर ओवर में सह मेजबान टीम ने पाकिस्तान को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। इसके बाद भी बाबर आजम की टीम के प्रदर्शन में सुधार देखने को नहीं मिला। भारत के खिलाफ नौ जून को खेले गए महामुकाबले में एक बार फिर उन्हें मुंह की खानी पड़ी। अपने तीसरे मैच में उन्हें कनाडा के खिलाफ जीत मिली। हालांकि, उनकी नजरें क्वालिफाई करने के लिए अमेरिका और आयरलैंड पर टिकी थीं। अगर मोनांक पटेल की टीम अपना आखिरी मैच हार जाती तो पाकिस्तान के पास सुपर–8 में पहुंचने का मौका होता, लेकिन यह मैच बारिश की भेंट चढ़ गया और पाकिस्तान का क्वालिफाई करने का सपना धरा का धरा रह गया।

पाकिस्तान पर पड़ी दोहरी मार

पाकिस्तान के निराशाजनक प्रदर्शन पर पूर्व खिलाड़ियों ने बाबर आजम की टीम को फटकार लगाई है। दरअसल, पाकिस्तान की टीम को दोहरा झटका लगा है। पहले तो वह सुपर–8 की दौड़ से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा दो साल बाद यानी भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए उनका डॉयरेक्ट क्वालिफाई करना मुश्किल हो गया है। उन्हें इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनने के लिए क्वालिफायर्स मैच जीतने होंगे।

'अगले तीन मैचों में बनाएंगे शतक'

मैच से पहले शिवम दुबे ने जीता दिल, कोहली की फॉर्म पर कही यह बात

स्पोर्ट्स डेस्क। टी20 विश्व कप 2024 के 33वें मैच से पहले शिवम दुबे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में किंग कोहली की फॉर्म पर बात की। उन्होंने उम्मीद जताई कि भले ही विराट ने पिछले तीन मैचों में रन नहीं बनाए लेकिन अगले तीन मैचों में वह शतक बना सकते हैं।

भारतीय टीम शनिवार को कनाडा के खिलाफ खेलती नजर आएगी। इस मैच में विराट कोहली से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दरअसल, पिछले तीन मैचों में वह सिर्फ पांच रन बना पाए हैं। सलामी बल्लेबाजी करते हुए वह अमेरिका के खिलाफ शून्य पर आउट हुए थे। टी20 विश्व कप के इतिहास में वह पहली बार गोल्डन डक का शिकार हुए थे। हालांकि, कनाडा के खिलाफ मैच से पहले शिवम दुबे ने किंग कोहली की फॉर्म में वापसी पर बड़ी बात कही है।

विश्व कप में नहल चल रहा कोहली का बल्ला

आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 700 से अधिक रन बनाने के बाद कोहली टी20 विश्व कप में आए थे लेकिन शुरुआती मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे। वह अब अब तीन मैच में 1. 66 के औसत से पांच ही रन बना पाए हैं जिसमें अमेरिका के खिलाफ पहली गेंद पर खाता खोले बिना आउट होना भी शामिल है। उम्मीद है कि वह एक बार फिर आईसीसी प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करेंगे जो 13 साल बाद भारत के लिए एक और आईसीसी खिताब जीतने का उनका संभवतः आखिरी मौका है।

दुबे का बयान

टी20 विश्व कप 2024 के 33वें मैच से पहले शिवम दुबे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में किंग कोहली की फॉर्म पर बात की। उन्होंने उम्मीद जताई कि भले ही विराट ने पिछले तीन मैचों में रन नहीं बनाए लेकिन अगले तीन मैचों में वह शतक बना सकते हैं। दुबे ने कहा, "मैं कौन होता हूं कोहली के बारे में बात करने वाला? यदि उन्होंने तीन मैचों में रन नहीं बनाए, तो हो सकता कि अगले तीन मैचों में वे तीन शतक बना लें और फिर कोई चर्चा नहीं होगी।" कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी का आगाज कर रहे कोहली के जल्दी आउट होने से टीम को अच्छी शुरुआत नहीं मिल रही और बाद में आने वाले बल्लेबाजों पर दबाव बन रहा है।

न्यूयश्वर्क में कोई टीम नही बना सकी 150 से ज्यादा रन

भारत ने अब तक विश्व कप में अपने तीनों मैच न्यूयॉर्क में खेले हैं। नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए एक बुरा सपना रही। इस अस्थायी मैदान पर खेले गए आठ मैचों में कोई भी टीम 150 से अधिक रन नहीं बना सकी। अब भारत का सामना लॉडहरिल में कनाडा से होगा। इस मैच में भारतीय बल्लेबाज शानदार प्रदर्शन करना चाहेंगे।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।